www.vibhorvarta.com
R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251
E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक
विभोर वार्ता
''मिथ्या से दूर सत्य के पास''

हरिद्वार
शुक्रवार, 27 जून 2025
(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)
वर्षः 17 अंकः 232
पृष्ठः 8 मूल्यः1 रूपये

ऊधमसिंहनगर | देहरादून | हरिद्वार | चंडीगढ़ | मेरठ से एक साथ प्रकाशित

आपातकाल लागू करना लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए भूकंप से कम नहीं था:उपराष्ट्रपति

शैक्षणिक संस्थान विचार और नवाचार के स्वाभाविक, जैविक प्रयोगशाला हैं : उपराष्ट्रपति

देहरादून(ब्यूरो)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि, "पचास वर्ष पहले, इसी दिन, विश्व का सबसे पुराना, सबसे बड़ा और अब सबसे जीवंत लोकतंत्र एक गंभीर संकट से गुजरा। यह संकट अप्रत्याशित था – जैसे कि लोकतंत्र को नष्ट कर देने वाला एक भूकंप। यह था आपातकाल का थोपना। वह रात अंधेरी थी, कैबिनेट को किनारे कर दिया गया था। उस समय की प्रधानमंत्री, जो उच्च न्यायालय के एक प्रतिकूल निर्णय का सामना कर रही थीं, ने पूरे राष्ट्र की उपेक्षा कर, व्यक्तिगत हित के लिए निर्णय लिया। राष्ट्रपति ने संवैधानिक मूल्यों को कुचलते हुए आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद जो 21-22 महीनों का कालखंड आया, वह लोकतंत्र के लिए अत्यंत अशांत और अकल्पनीय था। यह हमारे

लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय काल था।" कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखण्ड में स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "एक लाख चालीस हजार लोगों को जेलों में डाल दिया गया। उन्हें न्याय प्रणाली तक कोई पहुँच नहीं मिली।

वे अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं कर सके। नौ उच्च न्यायालयों ने साहस दिखाया और कहा – आपातकाल

(शेष पृष्ठ सात पर...)

बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ आपराधिक मामला रद्द

नैनीताल(ब्यूरो)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और उसके संस्थापकों बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ भ्रमित करने वाले विज्ञापनों के प्रकाशन संबंधी आपराधिक मामले को रद्द कर दिया है।

मामले में 2024 में उत्तराखंड के वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी की ओर से ड्रग्स और चमत्कारिक उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। आरोप था कि दवाएं मधुग्रिट, मधुनाशिनी, दिव्य लिपिडोम टैबलेट, दिव्य लिवोग्रिट टैबलेट, दिव्य लिवाम्रत एडवांस टैबलेट, दिव्य मधुनाशिनी वटी, और दिव्य मधुग्रिट टैबलेट को भ्रामक विज्ञापन के जरिये बढ़ावा दिया गया था।

याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने बीएनएसएस की धारा 528 के तहत हरिद्वार के सीजेएम की ओर से पतंजलि आयुर्वेद, रामदेव और बालकृष्ण को जारी समन को रद्द करने का आदेश दिया।

नदी में समाया यात्रियों का वाहन, 19 लोग थे सवार

रुद्रप्रयाग (ब्यूरो)। रुद्रप्रयाग जनपद में ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर घोलतीर के समीप एक टेंपो-ट्रेवलर अनियंत्रित होकर सीधे अलकनंदा नदी में जा गिरा। वाहन में चालक सहित 19 लोग सवार थे। रुद्रप्रयाग जिले से आज सुबह आई हादसे की खबर ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। बदरीनाथ दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों का वाहन अलकनंदा नदी में समा गया। कुछ लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। कुछ की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं कुछ लोग अभी भी लापता है। घायलों को अस्पताल लाया गया है। जहां पुलिस ने हादसे की वजह जानने की कोशिश की। अस्पताल में भर्ती घायल चालक ने पूछताछ में बताया कि हादसे कैसे हुआ। चालक सुमित ने बताया कि केदारनाथ दर्शन के बाद बदरीनाथ दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस दौरान कुछ लोग वाहन से बाहर छिटक गए। चालक के अलावा अस्पताल में भर्ती अन्य यात्रियों ने भी यही बात बताई। वहीं घायल भावना ने बताया कि रात को रुद्रप्रयाग में रुके थे। आज सुबह लगभग साढ़े सात बजे बदरीनाथ के लिए रवाना हुए थे।यात्री राजस्थान के उदयपुर से यात्रा पर आए थे। हादसे की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

प्रशासन का लक्ष्य, हर घर तक शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति : डीएम

देहरादून(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री के सुशासन एवं जनसेवा संकल्प के तहत पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन सर्तकता और सक्रियता से डे-टू-डे समस्या का निदान करने में जुटा है। विगत 14 अप्रैल से लेकर 17 जून तक पेयजल की 167 शिकायतें मिली है, जिसमें से 162 शिकायतों का समाधान कर लिया गया है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर एडीएम की अध्यक्षता में जिले स्तर पर समिति गठित की गई

है, जो नियमित रूप से पेयजल शिकायतों की मॉनिटरिंग में लगी है। डीएम के निर्देश पर पेयजल सप्लाई से जुड़े 07 विभागों के अधिकारी 20 अप्रैल से 24ग7 जिला कंट्रोल रूम में तैनात किए गए है।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बरसात के दौरान पानी की सप्लाई अवरुद्ध न हो। हर घर तक निर्बाध रूप से स्वच्छ पानी की सप्लाई जारी रहे। सभी जल स्रोत और टैंकों का नियमित क्लोरीनेशन के साथ पानी की गुणवत्ता को मेंटेन किया जाए। उन्होंने पेयजल से जुड़े विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पानी की शिकायत मिलते ही उसी दिवस उसका समाधान कर लिया जाए। कहा कि हमारा लक्ष्य हर घर तक शुद्व पेयजल की प्रतिदिन निबार्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

(शेष पृष्ठ सात पर...)

लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान निधि को बढ़ाया जाएगाः सीएम

देहरादून(सूवि)। सीएम धामी ने लोकतंत्र सेनानियों की मुद्दों के तत्परता से निस्तारण के लिए शासन स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण व हित में मानसून सत्र में अधिनियम लाने की तैयारी की जाए। मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि की प्रक्रिया सरल बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियो को लोकतंत्र सेनानियों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए कहा। सीएम ने संबंधित सचिव को लोकतंत्र सेनानियों को तत्काल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है।

सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को प्रतिमाह

मिलने वाली सम्मान निधि को बढ़ाने का फैसला लिया था, जिसे आने वाले समय में और बढ़ाया जाएगा। हमारी सरकार लोकतंत्र सेनानियों की प्रत्येक समस्या के समाधान हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हम राष्ट्र के प्रति आपके अतुलनीय योगदान को जन-जन तक पहुंचाने हेतु प्रतिवर्ष लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपातकाल लगाये जाने के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सविधान हत्या दिवस 2025 पर मुख्यमंत्री आवास में लोकतंत्र सेनानियों व उनके परिवारजनों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री धामी ने आपातकाल में मीसा एवं डीआईआर बंदियों के साथ संवाद किया। समस्त लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जिन्होंने आपातकाल के अंधकारमय कालखंड में भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया, उन्हें सम्मानित करना अत्यंत गौरव का अवसर है। लोकतंत्र सेनानियों ने जेलों की कालकोठरियों में रहकर भी लोकतंत्र के दीप को बुझने नहीं दिया।यह लोकतंत्र प्रहरियों के तप, त्याग और अटूट संकल्प का ही परिणाम है, जिसके कारण भारत के प्रत्येक नागरिक के मन में लोकतंत्र के प्रति एकनिष्ठ आस्था विद्यमान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून 1975 का दिन हमेशा एक काले अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। 50 वर्ष पूर्व इसी दिन देश पर आपातकाल थोपा गया था और संविधान की आत्मा को कुचलने

(शेष पृष्ठ सात पर...)

अधूरे लक्ष्य

अब यह यक्ष-प्रश्न सामने है कि इजरायल-ईरान युद्ध क्यों हुआ था? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान की खामेनेई हुकूमत बदलना चाहते थे, लगातार हुंकारें भी भर रहे थे, लेकिन युद्धविराम कराते हुए और उसके बाद उनका कहना है कि सत्ता-परिवर्तन से अराजकता फैलती है, लिहाजा यह फैसला हम ईरानी अवाम पर छोड़ते हैं। क्या इस असमंजस के कारण ही युद्ध कराया गया था? अमरीका और इजरायल दोनों ही ईरान की परमाणु क्षमता नष्ट करना चाहते थे, ताकि ईरान परमाणु बम न बना सके। ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को लेकर कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। ईरान ने खुद को आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) से अलग कर लिया है। अब न तो किसी निगरानी कैमरों, न नियमित रपट और न ही परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की अनुमति ईरान आईएईए को देगा। युद्धविराम के बाद भी ईरान की तरफ से बयान दिए गए हैं कि उनका परमाणु कार्यक्रम जारी रहेगा। युद्ध में ईरान का सबसे अहम और संवेदनशील नुकसान यह हुआ है कि इजरायल की सेना ने उसके 17 परमाणु वैज्ञानिक मार दिए हैं। यह क्षतिपूर्ति बेहद मुश्किल है। सवाल है कि ईरान का लेशमात्र परमाणु कार्यक्रम अस्तित्व में है, तो अमरीका और इजरायल ने अपने लक्ष्य हासिल कैसे किए? यदि लक्ष्य अधूरे रह गए, तो फिर युद्ध क्यों लड़ा गया था? इजरायल को युद्ध के कारण 1200 करोड़ डॉलर का घाटा उठाना पड़ा। करीब 60,000 छोटी-बड़ी कंपनियां इजरायल छोड़ कर चली गईं। उसे 1.9 अरब डॉलर का औद्योगिक नुकसान हुआ और 4.2 अरब डॉलर का बुनियादी ढांचा खंडहर हो गया। ईरान ने उसके तेल अवीव के सैन्य अड्डों, एयरबेस और दर्जनों इमारतों को तबाह कर दिया। ईरान को युद्ध के कारण 150-200 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। उसके 800-900 लोग मारे गए, जिनमें सेना के शीर्ष कमांडर भी शामिल थे। बेशक अमरीकी हमले में परमाणु ठिकानों में हजारों सेंट्रीफ्यूज नष्ट हो गए और सुरंगें 'मिट्टी-मलबा' हो गईं। ईरान की जीडीपी पर करीब 9.6 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान सामने आया है। क्या इस आर्थिक तबाही के लिए ही युद्ध लड़ा गया था? युद्धविराम के बाद मध्य-पूर्व की शांति और स्थिरता बेहद जरूरी है। गाजा में अब भी घेराबंदी, हमले और हत्याएं हैं। करीब 60,000 मौतें हो चुकी हैं, जिनमें बच्चों की संख्या भी काफी है। गाजा पर अमरीका और इजरायल कब्जा कर लेना चाहते हैं। मध्य-पूर्व और आसपास के देशों पर ही दुनिया की अर्थव्यवस्था का एक मोटा हिस्सा आश्रित है। लाखों भारतीय भी इन देशों में काम करते हैं। यदि ईरान की डांवाडोल स्थिति के कारण सीरिया, लीबिया, लेबनान, इराक आदि देशों में भी हालात नहीं सुधरते हैं, तो उससे आतंकवाद और क्षेत्रीय उग्रवाद का विस्तार होगा। उनसे अन्य खाड़ी देशों की आंतरिक सुरक्षा प्रभावित होगी। आतंकवाद की 'काली छाया' भारत तक भी आ सकती है। दरअसल यह एक अजीब युद्ध था और उतनी ही नाटकीयता के साथ इस पर विराम घोषित किया गया। उससे पहले कतर के अमरीकी सैन्य बेस पर ईरान ने 14 मिसाइलों से जो हमला किया, वह भी नौटंकी था, क्योंकि हमले की पूर्व सूचना दे दी गई थी, लिहाजा 13 मिसाइलें हवा में ही नष्ट कर दी गईं और एक मिसाइल किसी अन्य दिशा में जाकर नष्ट हो गई। यह हमला इसलिए किया गया, ताकि ईरान अपनी अवाम को खुलासा कर सके कि हमने अमरीकी अड्डे पर भी हमला बोल कर बदला लिया है।

अस्पतालों की लूट पर उठते सवाल

प्रायः देखने में आता है कि निजी अस्पतालों द्वारा छोटी सी जांच या इलाज के लिए हजारों से लेकर लाखों रुपए तक का बिल बना दिया जाता है। आईसीयू चार्ज, मॉनिटरिंग फीस, डिस्पोजेबल सामान, यहां तक कि बिस्तर की चादर और ग्लब्स के नाम पर भी पैसे वसूले जाते हैं। बहुत से मामलों में देखा गया है कि मरीज को केवल कमाई का साध न समझा जाता है और उनके जबरन टेस्ट आदि कराए जाते हैं।

भारतीय समाज में आज भी यदि डॉक्टरी पेशे को इज्जत भरी निगाहों से देखा जाता है तो इसके पीछे चंद कतिपय ईमानदार और काबिल डॉक्टरों की मरीजों के प्रति समर्पित सेवा भावना को ही श्रेय जाता है। लेकिन बदलते वक्त के साथ साथ जैसे जैसे 'बाप बड़ा न भैय्या सबसे बड़ा रुपैया' वाली भावना हर पेशे के लोगों में बढ़ती जा रही है, वहां आदर्श, मूल्य, नैतिकता और ईमानदारी जैसे गुणों को तिलांजलि देकर अनैतिकता, स्वार्थ, लूटपाट और बईमानी जैसे कदाचार से परिपूर्ण दुर्गुणों ने ले ली है। सरकारी और निजी क्षेत्र में बढ़ते अनैतिक आचरण और फलफूल रहे भ्रष्टाचार पर आध ारित 'गब्बर इज बैक' फिल्म की कहानी में कुछ कुछ उपर्युक्त वर्णित सामाजिक परेशानियों को ही उजागर करने का प्रयास फिल्म निर्माताओं ने किया था। भले ही 'गब्बर इज बैक' फिल्म की कहानी को समीक्षकों ने एक नीरस और पूरी तरह से निरर्थक फिल्म करार दिया हो या फिल्म को पूरी तरह से 'मसाला' फिल्म बताकर उसे खारिज कर दिया हो, तथापि भारतीय समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और सरकारी नौकरीपेशा लोगों द्वारा बईमानी एवं रिश्वतखोरी से दो चार हो चुके लोगों को जरूर लगेगा कि यह फिल्म कहीं न कहीं उनकी व्यथा, पीड़ा और हताशा का प्रतिनिधित्व करती है।

इसी फिल्म का एक डायलॉग, 'सोसायटी क्रिमिनल्स के कुछ करने से बर्बाद नहीं होतीङ्कसोसायटी तबाह होती है एक सक्षम आदमी के कुछ न करने से', एक किरदार की हताशा को बयां करता है। फिल्म में एक छोटे कथानक द्वारा दर्शाया गया है कि किस प्रकार से प्राइवेट हॉस्पिटल माफिया के लोग सामान्य लोगों को परीक्षणों के नाम पर अथवा मर चुके व्यक्ति को भी वेंटिलेटर पर दिखा कर उपचार के नाम पर लूटते हैं, जो कहीं न कहीं अभी भी हमारे समाज और व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार रूपी बीमारी को ही उजागर करता है। संदेश स्पष्ट है कि प्रायः निजी अस्पतालों अथवा सरकारी चिकित्सालयों में लापरवाही की ऐसी न जाने कितनी घटनाएं घटती रहती हैं, लेकिन हमारे कमजोर सिस्टम की वजह से फिर भी दोषी साफ बच निकलते हैं और भुक्तभोगी आम आदमी मन मसोस कर रह जाता है। भारतीय संस्कृति में ज्ञान का विशद प्रवाह पढने को मिलता है। हजारों वर्ष पूर्व वृहदारण्यक उपनिषद् के इस श्लोक में सभी जीवों के कल्याणार्थ प्रार्थना को ही देखें : 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्। ओउम शांतिः शांतिः शांतिःङ' अर्थात, हे ईश्वर, इस धरा में सभी प्राणी खुश रहें, सभी बीमारी से मुक्त हों। सभी देखें कि क्या शुभ है, किसी को भी कष्ट न हो।

और सर्वत्र शांति हो।' इतना सुंदर ज्ञान एवं मार्गदर्शन होने के बावजूद मनुष्य इस आधुनिक युग में अपनी अनियंत्रित और असीमित भौतिकतावादी अभिलाषाओं की पूर्ति के लिए अपने पतन की पराकाष्ठा को लांघकर क्या क्या नहीं षड्यंत्र रचकर अपने ही भाईयों का निर्ममतापूर्वक शोषण कर खुश हो रहा है। कई मामलों में देखने में आया है कि सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टर अपने घरों में ही निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं या प्राइवेट अस्पतालों में भी सेवारत हैं। अभी पिछले दिनों आयुष्मान भारत योजना में प्राइवेट अस्पतालों द्वारा किए गए बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) में राष्ट्रीय धोखाधड़ी विरोध ी इकाई (एनएएफयू) का गठन किया गया है। यह धोखाधड़ी से संबंधित मुद्दों की जांच करती है। एनएएफयू ने 6.66 करोड़ दावों में से प्राइवेट हॉस्पिटल के 562.4 करोड़ रुपए के 2.7 लाख क्लेम फर्जी पाए थे, जिन्हें रिजेक्ट किया गया है। सरकार ने इस मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए और इस पर सख्त कदम उठाते हुए 1 हजार 114 अस्पतालों को पैनल से हटा दिया है। भारत में वर्तमान में लगभग 13 लाख 86 हजार 159 एलोपैथिक डॉक्टर (एमबीबीएस) हैं, नेशनल मेडिकल कमीशन के अनुसार। इन डॉक्टरों के साथ, डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात 1:811 है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित 1.1000 से बेहतर है। देश में 1.18 लाख एमबीबीएस सीटें भी उपलब्ध हैं, जो कि 2014 में 51348 से बढकर 118137 हो गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सीमित है और वहां बुनियादी ढांचे की भी कमी है। यदि हिमाचल की ही बात करें तो हिमाचल प्रदेश अपनी शांत वादियों, सरल जीवनशैली और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में राज्य में निजी अस्पतालों द्वारा आम जनता का आर्थिक शोषण बढ़ा है और फिर भी ज्यादातर मामलों में अंततः रिश्तेदार अपने मरीजों को चंडीगढ़ लेकर जाने के लिए मजबूर नजर आते हैं। जब सरकारी अस्पतालों की सुविधाएं अपर्याप्त साबित होती हैं, तब आम नागरिक मजबूरी में प्राइवेट अस्पतालों का रुख करता है। प्रायः देखने में आता है कि निजी अस्पतालों द्वारा छोटी सी जांच या इलाज के लिए हजारों से लेकर लाखों रुपए तक का बिल बना दिया जाता है। आईसीयू चार्ज, मॉनिटरिंग फीस, डिस्पोजेबल सामान, यहां तक कि बिस्तर की चादर और ग्लब्स के नाम पर भी पैसे वसूले जाते हैं। बहुत से मामलों में देखा गया है कि मरीज को केवल कमाई का साधन समझा जाता है और उनके जबरन एमआरआई, सीटी स्कैन, ब्लड टेस्ट आदि कराए जाते हैं।

अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में बढ़ा हिस्सा

मध्यवर्ग को लेकर चाहे जो कन्फ्यूजन हो यह हर कोई मान रहा है कि अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाध न रह जा रहे हैं। अरबपतियों की बढ़ती संख्या या कुछ परिवारों के रिकार्ड दर पर अमीर होते जाने का खेल न भी भूलें तब भी यह मानना होगा कि हमारे मध्य वर्ग का एक हिस्सा उदारीकरण के इन वर्षों में अमीर वर्ग में शामिल हुआ है। ।सेव त्मंक - फिर साबित हुआ कि कायर छिपकर वार करते हैं भारतीय मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है या बढ़ रहा है यह बात हमारी अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वालों के लिए एक पहेली बना हुआ है। और सरकार द्वारा जनगणना कराने में अनावश्यक देरी होने के चलते ही नहीं उपभोक्ता सर्वेक्षण समेत काफी सारे सर्वेक्षणों पर रोक लगाने या उनके नतीजे सामने न लाने के चलते भी इस सवाल का विश्वसनीय जबाब देना मुश्किल हो रहा है। हाल में जिस तरह से कार बाजार में स्टाक का रिकार्ड बनता जा रहा है, अर्थात बिक्री से ज्यादा कार बन रहे हैं, वह बताता है कि मध्य वर्ग को लेकर इस बाजार के जानकार चूक कर रहे हैं। दूसरी ओर पिछले डेढ़-दो वर्ष मे शहरी मकानों की बिक्री में जो तेजी दिखी है और मकान बनाने के अंदर जो बदलाव हुए हैं वे बताते हैं कि बड़े मकानों की मांग बढ़ रही है, साल भर में दामों मे लगभग एक तिहाई (दिल्ली एनसीआए में एक साल में 34 फीसदी) की तेजी के बावजूद रियल इस्टेट बाजार तेज है। इतना ही नहीं अब एक या दो बेडरूम के फ्लैट बनने और बिकने कम हो गए हैं। इसी तरह छोटी कारों की बिक्री कम होने के साथ ही अब दोपहिया वाहनों, खासकर मोटरसाइकिलों की बिक्री में भी कमी दिखने लगी है। वैसे कुल मिलाकर ग्रामीण उपभोक्ता बाजार भी बढ़ना बंद कर चुका है। जो कन्फ्यूजन हो यह हर कोई मान रहा है कि अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाध न रह जा रहे हैं। अरबपतियों की बढ़ती संख्या या कुछ परिवारों के रिकार्ड दर पर अमीर होते जाने का खेल न भी भूलें तब भी यह मानना होगा कि हमारे मध्य वर्ग का एक हिस्सा उदारीकरण के इन वर्षों में अमीर वर्ग में शामिल हुआ है और काफी लोग नीचे भी धकेले गए हैं। बजट से पहले पेश आर्थिक सर्वेक्षण ही बताता है कि हमारे समाज के शीर्ष का एक तिहाई हिस्सा 77.8 फीसदी हिस्से पर काबिज है जबकि गरीबों वाले एक तिहाई हिस्से के पास 6.4 फीसदी संसाध न ही रह गए हों। अब इसी से यह बात समझ आती है कि पांच किलो मुफ्त अनाज योजना के दायरे में अस्सी करोड़ लोग क्यों हैं। और उनकी संख्या कम करने या यह योजना रोकने की हर कोशिश का राजनैतिक विरोध क्यों हो रहा है। अगर देश की आबादी 1.4 अरब मानें तब भी यह संख्या तो तिहाई आबादी को कवर करती है अर्थात शीर्ष अमीर जमात के अलावा सबको। और कथित मध्य वर्ग ऐसी हालत में है कि उसे पांच किलों मुफ्त अनाज लेना (और बदले में राजनैतिक लाभ देना अर्थात वोट देने में) कोई अनैतिक काम नहीं लगता। ।सेव त्मंक - ललित सुरजन की कलम से- शिवराज सिंह अखबार निकालेंगे? अब सरकार चाहे चार लाख तक की आमदनी को कर से मुक्त रखे और 12.75 लाख की आमदनी को कई तरह की शर्तों और बचत के साथ कर मुक्त कर दे लेकिन बाजार के जानकार, जिनका मतलब उपभोक्ता अर्थात कंज्यूमर से होता है, मानते हैं कि देश में शीर्ष दस फीसदी अर्थात करीब 14 करोड़ लोग अमीर या उच्च -मध्यवर्ग के हैं और वे पंद्रह हजार डालर तक खर्च करने लगे हैं। 2019 से 2024 के बीच यह रकम बारह हजार से बढ़कर पंद्रह हजार डालर हुई है। एक ओर उनका औसत खर्च पांच साल में बीस फीसदी बढ़ा है तो अगले 23 फीसदी लोगों का खर्च तीन हजार डालर साल पर रुक सा गया है। बाजार के जानकार इनको श्कंज्यूमर रिलक्टेंट पर्सेजश्र कहते हैं। अब यह दोनों हिसाब रुपए में बदलने पर भी सरकारी आयकर की परिभाषा या गिनती से कितना अलग है यह बताने की जरूरत नहीं है पर यह कहीं न कहीं यही बताता है कि हमारा कथित मध्य वर्ग अभी भी सामान्य उपभोग पर महीने में पचीस हजार रुपए से ज्यादा खर्च नहीं करता। और सरकार जिन्हें बचत या निवेश के आधार पर कर मुक्त रखने की घोषणा कर रही है वे असल में इसी शीर्ष वाले दस फीसदी के लोग हैं। ।सेव त्मंक - उपचुनाव के नतीजों से इंडिया ब्लॉक पार्टियों को बढ़ावा, भाजपा की चिंता बढ़ी अब आप रियल इस्टेट की कीमतों में अचानक आई तेजी और बड़े घरों की मांग बढ़ने या बड़ी कारों की मांग बढ़ने जैसे सच पर गौर करते हैं तब यह बात समझ आती है कि मुंबई की कीमतें ऐसी हो गई हैं कि एक आदमी की सौ साल से भी ज्यादा की बचत एक ठीक ठाक मकान दिलवाने लायक नहीं रह गई है। महानगरों में कोई तीन बेडरूम फ्लैट करोड़ से नीचे का नहीं है और मध्य आकार वाले शहर भी वहीं पहुंचने वाले हैं।

कांवड़ियों की सुरक्षा व सुविधा के लिए सरकार प्रतिबद्ध : रेखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि कांवड़ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सदभागिता का पर्व है तथा सरकार चाहती है कि सभी शिव भक्तों को दिल्ली में सम्मान, सुविधा एवं सुरक्षा मिले। श्रीमती गुप्ता ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांवड़ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सदभागिता का पर्व है। सरकार चाहती है कि सभी शिव भक्तों को दिल्ली में सम्मान, सुविधा और सुरखा मिले। दिल्ली सरकार इस वर्ष न केवल इस यात्रा को भव्य, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाएगी परंतु स्वयं यात्रियों का दिल्ली के बार्डर पर जाकर स्वागत और अभिनंदन करेंगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में कांवड़ यात्रा की व्यवस्था के नाम पर भ्रष्टाचार किया जाता था लेकिन अब सारे भ्रष्टाचार को खत्म करते हुए कांवड़ यात्रा में जुड़ी समितियों को सीधे पैसा दिया जाएगा ताकि बेहतर व्यवस्था की जा सके। कांवड़ यात्रियों के लिए टेंट समेत अन्य इंतजाम करने वाली समितियों को एकल विंडो सिस्टम के तहत सभी प्रकार की अनुमति सीधे जिलाधिकारी के कार्यालय से मिलेगी ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा वाली समितियों को कम से काम पचास हजार और अधिकतम दस लाख रुपये की राशि दिया जाएगा। इसमें देखा जाएगा कि कांवड़ शिविर कितने दिनों के लिए लगाया गया है उसी के हिसाब से पैसै दिये जाएगे। उन्होंने कहा कि समितियों को पचास प्रतिशत की राशि पहले दी जाएगी और बाकी राशि काम पूरा होने के बाद दिया जाएगा। सरकार पंजीकृत समितियों को ही राशि देगी। उन्होंने कहा कि अगर जिस समिति का पंजीकरण नहीं हुआ वह 30 जुलाई तक पंजीकरण करा लें। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि कांवड़ यात्रा से जुड़ी व्यवस्था की निगरानी के लिए मुख्यमंत्री धार्मिक उत्सव समिति बनाई गई है। इस समिति में कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा के साथ चार विधायकों को रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस बार कांवड़ समितियों को टेंट लगाने वाले स्थान के लिए बारह सौ यूनिट बिजली दी जाएगी जिसका खर्च सरकार स्वयं वहन करेगी। कांवड़ यात्रियों के लिए पूरी सुरखा दी जाएगी और साथ ही आवागमन में कोई बाधा नहीं इसका भी ध्यान रखा जाएगा।

दिल्ली के लिए ऐतिहासिक दिन, एक ही दिन में 3,400 गड्ढे भरे जा रहे हैं : प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने बड़े पैमाने पर गड्ढा मरम्मत अभियान चलाकर एक ही दिन में पीडब्ल्यूडी की 1,400 किलोमीटर की सड़कों पर 3,400 गड्ढे भरने का काम शुरू किया है। उन्होंने इसे सरकार का ऐतिहासिक कदम करार दिया।

मंत्री ने सीआर पार्क में सड़क मरम्मत और बुनियादी ढांचे में सुधार कार्य का निरीक्षण करने के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज दिल्ली को सुरक्षित, सुंदर और सुगम बनाने के लिए पूरी दिल्ली में एक ऐतिहासिक पहल शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि एक ही दिन में पीडब्ल्यूडी की 1,400 किलोमीटर की सड़कों पर 3,400 गड्ढे भरने का काम शुरू हो चुका है। प्रवेश सिंह ने कहा कि सारे गड्ढों को पीडब्ल्यूडी मानकों के हिसाब से भरा जाएगा। जीपीएस इनेबल्ड वैन इनका रियल टाइम ट्रैकिंग करेगी। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायत और इंजीनियर्स के सर्वे के अनुसार सारे गड्ढों की मैपिंग की है। सारी सड़कों को जोन में बांटा गया है। सिंह ने बताया कि सभी कार्यकारी इंजीनियरों, मुख्य इंजीनियरों और टीमों सहित पूरा पीडब्ल्यूडी विभाग सड़कों पर है। 3,400 गड्ढे ठीक किए हैं जिनमें से प्रत्येक को जियोटैग किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ गड्ढे भरने की मुहिम नहीं। दिल्ली के हर उस नागरिक के चेहरे पर राहत लाने की कोशिश है। जो रोज गड्ढों से जूझता है, जो हर सफर में असुविधा नहीं, सुरक्षा चाहता है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि एक स्थायी और पारदर्शी प्रणाली की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जब काम बिना भ्रष्टाचार के होगा, तो गड्ढे बनेंगे ही नहीं। जब काम पीडब्ल्यूडी के तय मापदंडों के अनुसार होगा, तब सड़कों पर जनता को तकलीफ नहीं होगी। यह हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की योजना नागरिकों की शिकायतों और सुझावों पर आधारित है। यह पहल जनता की सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक जाम और मानसून से पहले की आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। स्थानीय विधायक इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी किए और जनता से सीधा संवाद भी रखा।

एम्स परिसर में नई सीवर लाइन बिछाना जरूरी, पेश करें रिपोर्ट : हाईकोर्ट ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रीन पार्क एक्सटेंशन और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव को नियंत्रित करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) परिसर में नई सीवर लाइन बिछाने का नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को निर्देश दिया है। एनडीएमसी को मामले में पक्षकार बनाते हुए न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने एम्स के भीतर एनडीएमसी की भूमि उपलब्ध कराने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए एक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया।

अदालत ने उक्त निर्देश ग्रीन पार्क एक्सटेंशन और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को लेकर याचिकाकर्ता शैलेंद्र भटनागर द्वारा दायर याचिका पर विचार करते हुए दिया। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि डीजेबी के मुख्य अभियंता द्वारा एम्स, एमसीडी, एनडीएमसी, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली सरकार के वन विभाग के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी के साथ बैठक की जाए, ताकि इसके कारण पेड़ों को उखाड़ने और फिर से लगाने के लिए जरूरी मंजूरी ली जा सके।

सुनवाई के दौरान एम्स ने नई सीवर लाइन बिछाने के प्रस्ताव का इस आधार पर विरोध किया था कि यह लाइन एनडीएमसी के स्वामित्व वाली भूमि पर बिछाई जानी प्रस्तावित है। एम्स ने अपने परिसर में सीवर लाइन बिछाने के प्रस्तावित प्रस्ताव पर भी आपत्ति जताई थी, जिसमें तर्क दिया गया था कि संबंधित क्षेत्र में जलभराव मौजूदा सीवर बुनियादी ढांचे में किसी भी अपर्याप्तता के कारण नहीं था।

यह भी कहा गया कि संबंधित क्षेत्रों में जलभराव का मुख्य कारण वर्षा जल निकासी प्रणाली का अप्रभावी संचालन था। पीठ को बताया गया कि दिल्ली में हाल ही में हुई बारिश के दौरान दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा सीवर लाइनों की लगातार और निरंतर सफाई के कारण ग्रीन पार्क एक्सटेंशन क्षेत्र में जलभराव नहीं हुआ है।

इसके अलावा, डीजेबी अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि एम्स में बिछाई जाने वाली सीवर लाइन 200 मीटर से अधिक लंबी नहीं होगी और इसके लिए एम्स परिसर में केवल 130 मीटर भूमि की आवश्यकता होगी। इस पर पीठ ने कहा कि उपर्युक्त परिस्थितियों को देखते हुए संबंधित क्षेत्रों में जलभराव को रोकने के लिए एम्स परिसर में सीवर लाइन बिछाने की आवश्यकता होगी।

साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि वर्तमान मानसून सीजन में डीजेबी और एनडीएमसी नियमित आधार पर सीवर लाइन और बरसाती नाले दोनों की पूरी तरह से सफाई सुनिश्चित करेंगे ताकि संबंधित क्षेत्रों में किसी भी तरह के जलभराव को रोका जा सके। सीवर लाइन के डिजाइन का प्रस्ताव भी करें पेश पीठ ने डीजेबी के मुख्य अभियंता और एमसीडी आयुक्त उपरोक्त अधिकारियों के परामर्श से सीवर लाइन और बरसाती नाले की लाइन बिछाने की योजना पर एक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट में ग्रीन पार्क एक्सटेंशन से एम्स परिसर के साथ अरविंदो मार्ग से जोड़ने से संबंधित सीवर लाइन के डिजाइन का प्रस्ताव भी पेश किया जाए। साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि एम्स के समन्वय से ही यह रिपोर्ट पेश की जाए ताकि सीवर लाइन बिछाने के दौरान एम्स आवासीय परिसर में रहने वाले निवासियों को कम से कम परेशानी हो। मामले की सुनवाई अब 28 जुलाई को होगी।

विवादित बयानों के चलते जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग की होगी कार्रवाई?

-50 सांसदों के महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर की हुई पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ पिछले साल विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में दिए गए विवादित बयानों के कारण 54 राज्यसभा सांसदों द्वारा दायर महाभियोग प्रस्ताव अभी भी लंबित है। अब तक कम से कम 50 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की है, जो महाभियोग की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त संख्या है।

महाभियोग का यह नोटिस पिछले साल 13 दिसंबर को विपक्षी दलों के 54 सांसदों ने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सौंपा था। राज्यसभा सचिवालय की ओर से मार्च और मई में भेजे गए ईमेल और फोन कॉल्स के जरिए हस्ताक्षर सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसमें अब तक 44 सांसदों ने अपने हस्ताक्षर की पुष्टि की है। बाकी बचे 10 सांसदों में से छह ने बताया कि उन्होंने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। इस लिहाज से अभी तक कम से कम 50 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

राज्यसभा सचिवालय ने इस पूरे नोटिस में 9 सांसदों के हस्ताक्षरों में रिकॉर्ड से मेल न खाने की बात कही थी और एक सांसद सरफराज अहमद के हस्ताक्षर दो जगह होने की वजह से हस्ताक्षरों की दोबारा पुष्टि करने का फैसला लिया गया था। सचिवालय ने सांसदों को मार्च 7, 13 और मई 1 को ईमेल भेजे थे, जिसमें कहा गया था कि वे सभापति से मिलें और रिपोर्ट, कानूनी दस्तावेज, यूट्यूब लिंक आदि जो उन्होंने नोटिस के साथ संलग्न किए हैं, उनकी प्रमाणित प्रतियां साथ लाएं।

8 दिसंबर 2024 को प्रयागराज में वीएचपी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में जस्टिस यादव ने विवादास्पद टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कहा था कि मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि यह हिंदुस्तान है...और देश बहुसंख्यक लोगों की इच्छा के अनुसार ही चलेगा। इसके अलावा उन्होंने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कठमुल्ला जैसे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने यूनिफॉर्म सिविल कोड का समर्थन करते हुए मुस्लिम समुदाय की आलोचना की और कहा कि अगर हमारी परंपराओं में सती, जौहर, कन्या भ्रूण हत्या जैसी बुराइयों को खत्म किया है, तो तीन शादी की प्रथा भी खत्म होनी चाहिए। इन बयानों को विपक्षी दलों और नागरिक समाज ने घृणा भाषण और संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन बताया था। 13 दिसंबर 2024 को, वरिष्ठ अधिवक्ता और स्वतंत्र राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल के नेतृत्व में 54 सांसदों ने राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को महाभियोग का नोटिस सौंपा था।

संविधान के अनुच्छेद 124(4) के तहत न्यायाधीश को हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने अब तक इस नोटिस को खारिज नहीं किया है क्योंकि 1968 वाले एक्ट में कोई तय समयसीमा नहीं है। उन्होंने फरवरी में सदन में कहा था कि यह विषय केवल राज्यसभा के सभापति, संसद और राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र में है। 13 फरवरी 2025 को सदन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि उन्हें जस्टिस यादव को हटाने के लिए 55 हस्ताक्षर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस मामले का संवैधानिक दायित्व पूरी तरह से राज्यसभा सभापति, संसद, और अंततः राष्ट्रपति के पास है। धनखड़ ने कहा कि यदि हस्ताक्षरों की संख्या 50 से ज्यादा होती है, तो वह उचित कार्रवाई करेंगे।

दिल्ली में लूटपाट की असफल कोशिश के दौरान व्यक्ति पर चाकू से हमला करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में फोन छीनने की कोशिश का विरोध करने पर व्यक्ति को चाकू मारने के आरोपी युवक को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान ऋतिक उर्फ रोहित के रूप में हुई है। दिल्ली के अशोक विहार इलाके के पास सोमवार देर रात मुठभेड़ के दौरान ऋतिक बायें पैर में गोली लगने से घायल हो गया और उसे दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (उत्तर पश्चिम) भीष्म सिंह ने बताया, 'लूट और हत्या के मामले में सह-आरोपी बनाए जाने के बाद से ऋतिक फरार था। घटना 10 जून को हुई थी, जब 24 वर्षीय अमित कुमार को चाकू लगने के बाद दीपचंद बंधु अस्पताल लाया गया था। बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।' डीसीपी ने बताया कि सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे प्रेम बारी पुल के निकट नाले के पास जाल बिछाया गया। शहीद उधम सिंह पार्क से एक संदिग्ध को निकलते हुए देखा गया। जब पुलिस टीम ने उसे रुकने के लिए कहा तो वह रेलवे पटरी की ओर भागने की कोशिश करने लगा।

अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने उसका पीछा किया तो आरोपी ने पिस्तौल निकाली और गोली चला दी। हालांकि गोली अधिकारी को नहीं लगी। आत्मरक्षा में पुलिस ने पहले चेतावनी के तौर पर गोली चलाई। लेकिन जब आरोपी ने फिर से गोली चलाने की कोशिश की तो पुलिस ने भी उस पर गोली चलाई जिससे वह घायल हो गया। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया। गोलीबारी में कोई भी पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ।

पुलिस ने इससे पहले अशोक विहार थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया था और मामले में तीन नाबालिगों को पकड़ा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपियों ने पीड़ित का मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की थी और जब उसने विरोध किया तो उन्होंने उसे चाकू घोंप दिया। अधिकारी ने कहा, 'इसके बाद बीएनएस की धारा 309 (6) (लूटपाट) और 317 (2) (संपत्ति चोरी) के तहत अतिरिक्त आरोप मामले में जोड़े गए। ऋतिक की पहचान चौथे साथी के रूप में हुई, जो पीड़ित का फोन और अन्य सामान लेकर मौके से भागने में कामयाब रहा।' उन्होंने कहा कि अशोक विहार थाने में बीएनएस और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक नया मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने कहा कि ऋतिक का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले चोरी और हथियार के साथ डकैती के दो मामलों में शामिल था। उसे पांच जुलाई, 2024 को हथियारबंद डकैती के एक मामले में जमानत पर रिहा किया गया था।

दिल्ली बॉर्डर पर एनकाउंटर, मारा गया हरियाणा का कुख्यात अपराधी रोमिल वोहरा

नई दिल्ली/यमुनानगर (एजेंसी)। हरियाणा-दिल्ली बॉर्डर पर मुठभेड़ में वांछित अपराधी रोमिल वोहरा मारा गया है। हरियाणा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मंगलवार को संयुक्त कार्रवाई में अपराधी को ढेर कर दिया। हालांकि इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। रोमिल कुख्यात काला राणा-नोनी राणा गैंग का सक्रिय शूटर था। पुलिस ने एनकाउंटर में रोमिल वोहरा के मौत की पुष्टि की है। बताया गया है कि रोमिल वोहरा हरियाणा में अपराध की दुनिया का बेताज बादशाह बनने का ख्वाब देख रहा था। कुछ दिन पहले यमुनानगर में शराब कारोबारी शांतनु की हत्या के मामले में रोमिल का नाम आया। यमुनानगर के खेड़ी लक्खा सिंह इलाके में हुए तिहरे हत्याकांड में भी रोमिल आरोपी था। इसके अलावा यमुनानगर के बिलासपुर स्थित एक सेंटर में गोलियां चलाने के आरोप भी लगे थे। इस तरह रोमिल के खिलाफ राज्य में कई मामले चल रहे थे और पुलिस ने 2 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। रोमिल वोहरा हरियाणा के यमुनानगर जिले के कांसापुर का रहने वाला था। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मंगलवार सुबह दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर बड़ी कार्रवाई करते हुए वांछित अपराधी रोमिल वोहरा को मुठभेड़ मे मार गिराया। लंबे समय से फरार चल रहे रोमिल के बारे में पुलिस को इनपुट मिला था। इसके बाद हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने संयुक्त कार्रवाई शुरू की। जानकारी सामने आई कि पुलिस की ओर से गिरफ्तारी की कोशिश के समय रोमिल ने हमला करके भागने की कोशिश की। इसके जवाब में पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की। आमने-सामने की गोलीबारी में अपराधी रोमिल गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी बाद में मौत हो गई। इस ऑपरेशन में हरियाणा पुलिस के दो सब-इंस्पेक्टर प्रवीण और रोहन घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी अपराध मुक्त हरियाणा की दिशा में उठाया गया कदम बताया है। हरियाणा के सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के मुताबिक, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस कार्रवाई पर कहा कि भय और अपराध मुक्त हरियाणा बनाना सरकार का मुख्य लक्ष्य है। हर नागरिक की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हरियाणा पुलिस पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

दिल्ली सरकार वन महोत्सव में लगाएगी 70 लाख पौधे, भारत मंडपम से होगी शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को हरित बनाने और पर्यावरण में सुधार के लिए दिल्ली सरकार जुलाई को वन महोत्सव 2025 का आयोजन कर रही है। जिसमें दिल्ली की हर विधानसभा, गली और गार्डन में पौधे लगाए जाएंगे। इसकी शुरुआत 3 जुलाई को भारत मंडपम से होगी जहां पर्यावरणविद, उद्योगपति, विद्यार्थी और हजारों दिल्लीवासी शामिल होंगे। वन महोत्सव 2025 में विदेशी, औषधीय, सजावटी पौधे, प्लास्टिक के बायो-फ्रेंडली विकल्प, बागवानी से जुड़ी सामग्रियों की अनोखी प्रदर्शनी लगेगी। यह पहला वन महोत्सव होगा जिसमें दिल्ली का मन अपने वन के साथ चलेगा। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने यह जानकारी देते हुए कहा कि महीने भर चलने वाले इस अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हर दिन मां के नाम पर पौधारोपण होगा और 70 लाख से ज्यादा पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभियान में होंगे इंटरैक्टिव कि ओस्क, मां के नाम पर पौधों की नेमप्लेट, क्रिएटिव ब्रांडिंग और जन सहभागिता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के लोगों में पर्यावरण के प्रति एक व्यवहारिक बदलाव की एक सार्थक पहल है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से हम इसे जन आंदोलन बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव 2025 दिल्ली सरकार के वायु प्रदूषण नियंत्रण योनजा का अहम हिस्सा है ताकि हरित क्षेत्र बढ़े, हवा स्वच्छ रहे।

युद्धस्तर पर हो रही है नालों की सफाई : सिरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मॉनसून के आगमन को देखते हुए रेखा सरकार नालो की सफाई और गाद निकालने पर ध्यान केंद्रित कर दिया है। पर्यावरण और उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में गाद निकालने के काम की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बारिश से यह इलाका बाढ़ग्रस्त न हो। दिल्ली के पर्यावरण और उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में नालों की सफाई के काम का निरीक्षण किया। उनके साथ स्थानीय विधायक पूनम शर्मा और उद्योग विभाग व डीएसआईआईडीसी (डीएसआईआईडीसी) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सिरसा ने बताया कि इलाके में नालों की सफाई का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है और उन्होंने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा,फ्रइस मॉनसून में दिल्ली रुकेगी नहीं। हमने स्थानीय प्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों तक,पूरे सरकारी तंत्र को सक्रिय कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर नाला साफ हो और हर सड़क चालू रहे फ्र मंत्री ने अधिकारियों को मैन्युअल तरीके से नाले साफ करने से बचने के सख्त निर्देश दिए और इस बात पर जोर दिया कि सुपर सकर मशीनों जैसी मशीनीकृत प्रणालियां दक्षता और सुरक्षा में सुधार करती हैं। सिरसा ने यह भी बताया कि बारिश के दौरान जनता को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए खुले नालों को ढका जा रहा है और गड्ढों को भरा जा रहा है। उन्होंने इस दिशा में स्थानीय विधायक के प्रयासों की सराहना भी की। दिल्ली के मंत्री ने आगे कहा, 'हमें जो जमीनी स्तर पर नतीजे दिख रहे हैं, वे हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा लगातार की गई फॉलो-अप और समन्वित क्षेत्र कार्य के कारण हैं।' दिल्ली सरकार ने बुनियादी ढांचे के दीर्घकालिक सुधार के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) ढांचे के तहत औद्योगिक क्षेत्रों के पुनर्विकास के लिए रियायती मॉडल को भी फिर से लागू किया है। सिरसा ने कहा कि यह निर्णय उद्योगपतियों की लंबे समय से लंबित मांगों के जवाब में लिया गया था और यह नरेला और बवाना क्षेत्रों में सफल कार्यान्वयन के बाद आया है। उन्होंने आगे कहा, फ्रपुनर्विकास और मॉनसून की तैयारी साथ-साथ चलती है। हमारा लक्ष्य सिर्फ जलभराव को रोकना नहीं है, बल्कि उन्नत नागरिक और जल निकासी बुनियादी ढांचे के साथ औद्योगिक क्षेत्रों को भविष्य के लिए भी तैयार करना है।'

आईसीसी ने ऋषभ को अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए फटकारा

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत को अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फटकार लगायी है हालांकि वह प्रतिबंध से बच गये। आईसीसी ने ऋषभ को फटकार लगायी है और उनके खाते में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। इस मैच में ऋषभ की गेंद बदलने की अपील को अंपायर ने जांच के बाद खारिज कर दिया था जिससे नाराज होकर उन्होंने गेंद को फेंक दिया था। इसी कारण ऋषभ को आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। पंत को प्लेयर्स एंड प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने' से जुड़ा है।

फटकार के भारतीय उपकप्तान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध था। यह घटना इंग्लैंड की पहली पारी के 61वें ओवर के अंत में हुई, जब अंपायरों ने गेंद बदलने की मांग पर गेज से की जांच की और इसे नहीं बदलने का फैसला किया। भारतीय खिलाड़ी ने अंपायरों के सामने गेंद को जमीन पर फेंककर अंपायरों के फैसले पर असहमति दिखाई। ऋषभ ने हालांकि अपने इस अपराध को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की आगे जरुरत नहीं रही।

यशस्वी को मिली ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह

लीड्स (एजेंसी)। यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उसकी ओर से पांच शतक लगे। इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे भारतीय टीम के यशस्वी जायसवाल को अपने अच्छे प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह मिली है। यशस्वी ने पहली पारी में शतक लगाया। इससे वह इंग्लैंड के खिलाफ कम से कम 500 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों में औसत के मामले में महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन, स्टीवी डेंप्स्टर, वॉरेंस रो और जॉर्ज हेडली के विशिष्ट क्लब में जगह बनाने में सफल हुए।

यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 159 गेंदों में 101 रन बनाए। इस प्रकार यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा औसत से टेस्ट रन बनाने के मामले में ब्रेडमैन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी का औसत 90.33 रहा जबकि ब्रेडमैन का औसत 89.78 का है। हालांकि, दूसरी पारी में यशस्वी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। इससे उनका औसत गिरकर 81.70 हो गया।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाजों में शीर्ष पर ब्रेडमैन हैं।

ब्रेडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 89.78 की औसत से 5,028 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं दूसरे नंबर पर स्टीवी डेंप्स्टर हैं।

डेंप्स्टर ने अंग्रेजों के खिलाफ 88.42 की औसत से 619 रन बनाए थे जबकि यशस्वी सूची मेंतीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 6 टेस्ट मैच की 11 पारियों में कुल 817 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 81.70 का रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में अब तक 3 शतक और इतने ही अर्धशतक लगाये हैं। लॉरेंस रो इस सूची में चौथे नंबर पर हैं। रो ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 74.20 की औसत से 742 रन बनाए हैं। सूची में वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं पांचवें नंबर पर जॉर्ज हेडली है1 हेडली ने इंग्लैंड के खिलाफ 71.23 की औसत से 1852 टेस्ट रन बनाए हैं।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हो सकती है आर्चर की वापसी

लीड्स ।इंग्लैंड के रहस्यमयी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। आर्चर अब अपनी चोट से उबर गये हैं और व डरहम में ससेक्स की ओर से काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ''आर्चर ससेक्स के लिये लाल गेंद के क्रिकेट मे वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था।अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए उन्हे शामिल किया जा सकता है।'' आईपीएल 2025 मे राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट से बाहर हैं। आर्चर ने साल 2021 से ही इंग्लैंड के लिए लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेला है, ऐसे में 4 साल बाद उनकी टीम में वापसी इंग्लैंड के लिए विशेष होगी।इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में ही कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था, ''कई बार वह मुझे संदेश भेजता है। मैंने उसे यही सलाह दी कि जल्दबाजी नहीं करे। वह चोटों से काफी परेशान रहा है।उसकी वापसी इंग्लैंड के लिये महत्वपूर्ण होगी।उम्मीद है कि वह टेस्ट क्रिकेट में चयन के लिये उपलब्ध होगा।'' आर्चर अपने करियर में चोटों से खासे परिशान रहे हैं।इसी कारण वह आईपीएल में भी काफी कम खेल पाये हैं।वह अगर दूसरे टेस्ट में वापसी करते है तो इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण जरुर बेहतर होगा।

वेस्टइंडीज की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को छह विकट से हराया, सीरीज भी जीती

एंटवर्प (एजेंसी)। केव हिल, 24 जून (वेब वार्ता)। कप्तान हेली मैथ्यूज (65 रन/एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराया है। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली है।

दक्षिण अफ्रीका के 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 32 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। किआना जोसेफ (छह) और रीलेआना ग्रिमोंड (पांच) रन बनाकर आउट हुई। संकटमोचक के रूप में बल्लेबाजी करने आयी शमैन कैंपबेल ने कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट लिये 82 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। 16वें ओवर मैरीजान कप्प ने शमैन कैंपबेल को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। कैंपबेल ने 38 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से (42) रनों की पारी खेली। 18वें ओवर में सुने लूस ने हेली मैथ्यूज को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को बड़ा झटका दिया। हेली मैथ्यूज ने 50 गेंदों में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से (65) रनों की पारी खेली। शिनेल हेनरी 11 गेंदों में (20) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 148 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से मैरीजान कप्प ने दो विकेट लिये। सुने लूस और ए खाका ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मैच में 65 रन बनाने और एक विकेट लेने वाली हेली मैथ्यूज को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा सीरीज में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यज को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार देर रात टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 147 रन का स्कोर खड़ा किया। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 24 गेंदों में (28), तेजमिन ब्रिट्स (20) और सुने लूस ने (13) रन का योगदान दिया। मियान स्मिट ने 38 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 59) रनों की पारी खेली। एन डी क्लार्क (पांच) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज की ओर से करिश्मा रामहैरक और ऐफी फ्लेचर ने दो-दो विकेट लिये। एस हेक्टर और हेली मैथ्यूज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

दिनेश कार्तिक ने बुमराह की तुलना कोहिनूर से की

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती खिलाड़ी है। कार्तिक ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मे जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए जिससे वह पहली पारी में 465 रन ही बना पायी।कार्तिक ने बुमराह की गेंदबाजी को देख कर ही उनकी तुलना बेशकीमती कोहिनूर हीरे से की है।कार्तिक ने बुमराह के लिए कहा, वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती है।वह सभी प्रारूपों में टीम के लिए महत्वपूर्ण है।वह किसी भी प्रारूप, गेंदबाजी चरण और किसी भी प्रकार के हालातों में अपना काम बखूबी करेगा।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके पास वह दिमाग है जो जानता है कि बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है और उसने इसे बहुत अच्छी तरह से समझा है।200 से अधिक विकेट लेने वाले किसी भी गेंदबाज को देखा जाये तो उसका औसत सबसे अच्छा है, और यह आपको बताता है कि वह बहुत विशेष है।बुमराह ने टेस्ट में 14 वी बार पांच विकेट लेकर कपिल के रिकॉर्ड की बराबरी की है।बुमराह एकमात्र खिलाड़ी रहे जिनके सामने मेजबान इंग्लैंड के बल्लेबाज दबाव में रहे।

कुंबले ओर हरभजन में से किसी एक को बाहर करना होता था सबसे कठिन: गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि उनके लिए कप्तान के तौर पर सबसे अधिक कठिन फैसला स्पिनर अनिल कुंबले और हरभजन सिंह में से किसी एक का चयन रहा है। गांगुली ने बताया है ये दोनो ही इतने बेहतर थे कि किसी एक को बाहर करने का फैसला मजबूरी में करना पड़ता था। साथ ही कहा कि बाहर किये जाने पर ये दोनो ही सवाल भी करते थे कि हमें किस प्रकार बाहर किया था जिसका जवाब देना कठिन होता था। गांगुली के अनसार ये दोनो ही चैंपियन थे और टीम में ऐसे खिलाड़ी होने ही चाहिए।

गांगुली ने हाल ही में कहा, मैं टीम के हित में लिए गए कठिन फैसलों को खिलाड़ियों को आसानी से समझा देता था पर कुंबले और हरभजन उनके लिए परेशानी पैदा कर देते थे। उन्होंने कहा, कई बार कुंबले और हरभजन में से किसी एक को चुनना सबसे कठिन काम था। भारत में ऐसा नहीं हुआ। उपमहाद्वीप में ऐसा नहीं हुआ पर जब आप हरी पिचों पर चले गए, जहां हमें एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की जरूरत होती थी, तो मुझे कुंबले और हरभजन से किसी एक को ही रखना पड़ता था।

उन्होंने आगे बताया, कई बार ऐसा हुआ है जब वे दोनों साथ में खेले, लेकिन, हां, वह मुश्किल हिस्सा था। आप जिसे आराम देना चाहते थे, वह बहुत खुश नहीं होता था। बिल्कुल नहीं। उनका पहला सवाल होता था, मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ईमानदारी से कहूं तो, आपको ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो आपको बताएं, मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ये वे खिलाड़ी नहीं थे, जिन्हें आप कहते कि आप नहीं खेल रहे हैं और वे पांच दिन की छुट्टी पाकर खुश हो जाएंगे। आप टीम में ऐसे खिलाड़ी चाहते थे जो आकर आपसे कहें और पूछें कि मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ये परिस्थितियां मेरे अनुकूल हैं, चाहे वे अनुकूल हों या नहीं हों। इस पूर्व कप्तान ने कहा, यही उनका मानना ??है कि वे भारत के लिए मैच जीतेंगे, उन हालातों में भारत के लिए मैच जीतेंगे। अनिल और हरभजन दोनों ही थे। हां। इतनी क्षमता, इतना आत्मसम्मान, प्रदर्शन पर इतना गर्व है, लेकिन मैं खुश था, क्योंकि दिन के अंत में, मेरे पास दो खिलाड़ी थे जो पूरी तरह चैंपियन थे। गांगुली

की गिनती ऐसे कप्तान के तौर पर होत है जिन्होंने टीम को आक्रामक बनाया और जीत की आदत डाली। उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिये।

काजोल ने अपनी बेटी नीसा के एक्टिंग रूचि के बारे में बात की

सिनेमाई दुनिया की चर्चित अभिनेत्री काजोल इस समय अपनी अपकमिंग फिल्म मां के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आजकल स्टारकिड्स फिल्मी दुनिया में डेब्यू करते दिख रहे हैं। अब इसी कड़ी में काजोल ने भी अपनी बेटी नीसा देवगन के एक्टिंग रूचि के बारे में बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

क्या अभिनय में कदम रखने वाली हैं नायसा

हाल ही में काजोल फिल्मीज्ञान के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने बेटी को लेकर बात की। अभिनेत्री से सवाल किया गया कि क्या वह भी अन्य पैरेंट्स की तरह भी अपनी बेटी को फिल्मों में लाने की योजना बना रही हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करेंगी, उन्हें फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने परिवार के सभी बच्चों से प्यार करती हू और मैं चाहती हू कि वे वही करें, जिससे उन्हें खुशी मिलती है और जो उन्हें लगता है कि वे उसमें सफल होंगे।'

काजोल ने बच्चों के बारे बताई ये बात

आगे बातचीत में काजोल ने बताया, 'मेरे बच्चों को मेरी पिक्चर पसंद नहीं आती क्योंकि मुझे उसमें रोना धोना पड़ता है और उन्हें अपनी मां को स्क्रीन पर रोते हुए देखना पसंद नहीं है। नीसा और युग मुझे रोते हुए देख कर बहुत सहम जाते हैं । मैंने उन्हें बोला है कि यह सब झूठ है पर उन्हें समझ नहीं आता।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म मां, शैतान के ब्रह्मांड की अगली कड़ी है और जिसमें एक मां अलौकिक शक्तियों से अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जाती है। इस फिल्म को अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह, सूर्यसिखा दास, यानी भारद्वाज, रूपकथा चक्रवर्ती और खेरिन शर्मा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून 2025 को हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में रिलीज होगी।

20 साल छोटी इस अभिनेत्री के साथ रोमांस करेंगे रणवीर सिंह?

अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म की अभी शूटिंग चल रही है और सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस एक्शन फिल्म में संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। ये जानकारी फिल्म की लीड एक्ट्रेस को लेकर आ रही है। फिल्म 'धुरंधर' को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ सारा अर्जुन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट में ये दावा किया जा रहा है कि चाइल्ड आर्टिस्ट रहीं 20 साल की सारा अर्जुन 39 साल के रणवीर सिंह के साथ इस फिल्म में रोमांस करती नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में उनकी भूमिका छोटी होगी। हालांकि, रणवीर और सारा के बीच 20 साल का अंतर है। ऐसे में पर्दे पर ये अनोखी जोड़नी देखना एक अलग एहसास होगा। इसीलिए कई यूजर्स को ये खबर पसंद नहीं आ रही है।

मेकर्स ने अभी तक नहीं की पुष्टि

इस खबर के सामने आने के बाद बेशक नेटिजंस को ये खबर पसंद नहीं आई। हालांकि, मेकर्स की ओर से अब तक सारा अर्जुन के फिल्म का हिस्सा होने के बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। जबकि सारा के फिल्म का हिस्सा होने की खबर साल 2024 में ही सबसे पहले आई थी। इसके बाद फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। वहीं पिछले दिनों 'धुरंधर' के टीजर को लेकर भी खबर आई थी। लेकिन मेकर्स ने अभी तक फिल्म लीड एक्ट्रेस को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। ऐसे में सारा अर्जुन फिल्म का हिस्सा होंगी या नहीं इस बारे में कोई कंफर्म न्यूज नहीं है। चाइल्ड आर्टिस्ट रहीं सारा अर्जुन 'देइवा थिरुमगल', 'जय हो' और 'पोन्नियिन सेलवन' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं।

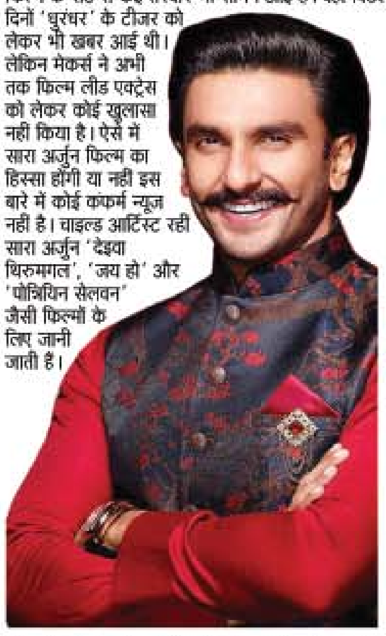

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रकुल प्रीत को मिला ये सम्मान

शनिवार को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया है। इस मौके पर केंद्र सरकार की तरफ से भी फिट इंडिया मूवमेंट के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया है, जिसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और उनके पति जैकी भगनानी को फिट इंडिया कपल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस खिताब को पाने के बाद कपल्स ने प्रतिक्रिया दी है।

अवॉर्ड पाकर गर्व महसूस कर रहीं अभिनेत्री

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सरकार की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और उनके पति जैकी भगनानी को फिट इंडिया कपल अवॉर्ड मिला, जिसे पाकर एक्ट्रेस गर्व महसूस कर रही हैं। एएनआई से बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'हमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर फिट इंडिया कपल का पुरस्कार मिला, ये बहुत गर्व की बात है। हमें उम्मीद है कि हम लोगों को फिटनेस के बारे में प्रेरित कर सकेंगे, जिससे वो इसे अपने जीवन का हिस्सा बना सकें।'

रकुल प्रीत सिंह का वर्कफंट

रकुल प्रीत सिंह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्हें आखिरी बार मेरे हसबैंड की बीवी में देखा गया था, जिसमें अर्जुन कपूर भी मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन करने में नाकामयाब साबित हुई थी। इसके अलावा अभिनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें 'इंडियन 3' और 'दे दे प्यार दे 2' में देखा जाएगा।

'दिल थाम के' गाने के लिए हुमा कुरैशी ने की थी कड़ी मेहनत

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की है। शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस ने हाल ही में रिलीज हुए सॉन्ग 'दिल थाम के' दौरान के कुछ पलों को साझा किया है। साझा की गई पहली और दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री दिल थाम के सॉन्ग के दौरान डांस मूव्स करती नजर आ रही हैं, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

इन दोनों तस्वीरों के बारे में एक्ट्रेस ने बताया ये उनके लिए बहुत ही खूबसूरत फोटोज हैं। इसके अलावा उन्होंने अन्य दो तस्वीरों में इस सॉन्ग के लिए उन्हें क्या डाइट लेनी पड़ती थी, उसकी झलक दिखाई है। वहीं अभिनेत्री ने एक और तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि पहली बार उन्होंने ऐसा खूबसूरत आउटफिट पहना है। अन्य तस्वीरों में अभिनेत्री बेहद खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं आपको बताते चलें कि हुमा कुरैशी, राजकुमार राव की आगामी फिल्म मालिक में नजर आएंगी, जिनका गाना 'दिल थाम के' हाल ही में रिलीज हुआ है।

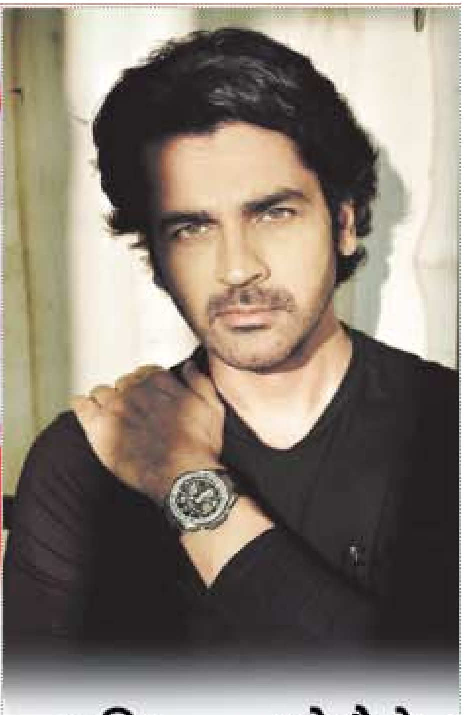

श्रुति हासन ने टैलेंट पिता से, लेकिन पहचान खुद के दम पर बनाई

अभिनेता अर्जन बाजवा ने वेब सीरीज बेस्टसेलर में एक्ट्रेस श्रुति हासन के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने श्रुति की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने दम पर कामयाबी हासिल की है। अर्जन बाजवा ने कहा कि श्रुति ने खुद के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कई भाषाओं में काम किया और साथ ही अपना म्यूजिक टैलेंट भी दिखाया है। उनकी कामयाबी उनकी अपनी मेहनत की वजह से है। अर्जन ने आगे ने कहा, श्रुति हासन के साथ काम करना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। वह बहुत टैलेंटेड है, कई भाषाएं बोल लेती हैं और तेलुगू, तमिल, हिंदी और इंग्लिश फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह एक बेहतरीन सिंगर भी हैं। हमारे बीच अच्छी दोस्ती हो गई है। उन्होंने कहा, श्रुति को अपने पिता कमल हासन से टैलेंट मिला है, लेकिन उन्होंने अपनी पहचान खुद के दम पर बनाई है। इसके अलावा, उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी बहुत अच्छा है। बता दें कि अर्जन बाजवा ने श्रुति हासन के साथ 2022 में रिलीज हुई साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज बेस्टसेलर में काम किया था। यह वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। इस सीरीज में मिथुन चक्रवर्ती, गौहर खान, सत्यजीत दुबे और सोनाली कुलकर्णी भी अहम किरदार में हैं। अर्जन बाजवा ने दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के लिए भी अपना सम्मान जाहिर किया। उन्होंने कहा कि मिथुन बहुत सरल और विनम्र स्वभाव के हैं और हमेशा अपने काम को पूरी लगन और मेहनत से करते हैं। अर्जन बाजवा ने कहा, मिथुन दा एक जबरदस्त अभिनेता हैं। मुझे उनकी सबसे अच्छी बात उनकी विनम्रता लगती है, जो उन्होंने कई सालों तक फिल्म इंडस्ट्री में रहने के बाद भी बनाए रखी है। वह हर नए प्रोजेक्ट में उतनी ही ऊर्जा और उत्साह लेकर आते हैं, जैसे कोई नया कलाकार आता है। यह हमारे लिए सीखने वाली बात है, उनका जुनून और मेहनत सच में प्रेरणादायक है।

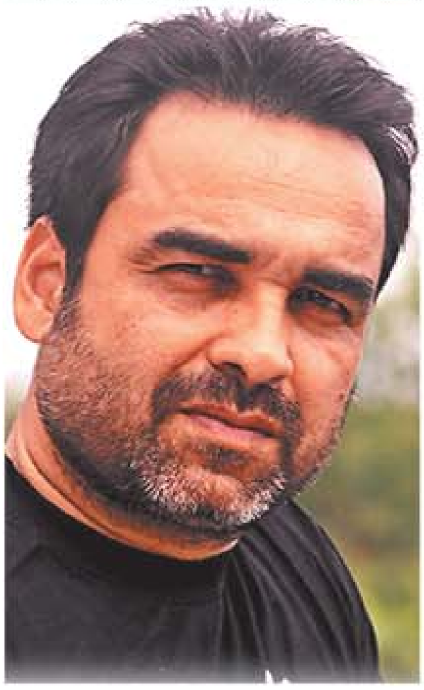

ओटीटी मेरे लिए संजीवनी बूटी साबित हुआ

हमारे सिनेमा का उदय गानों के साथ हुआ क्योंकि गाने हमारे समाज में हैं। शादी हो या मुंडन गाने तो होते ही हैं, हमारे यहां तो धान रोपने में भी गाने गाए जाते हैं। समाज में गाने थे, इसलिए फिल्मों में भी आए, इसलिए यह तुलना बेमानी है। ठीक उसी तरह वैश्विक सम्मान को भी पैमाना नहीं बनाना चाहिए। दो बार राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत कई सम्मानों से नवाजे जा चुके पंकज त्रिपाठी के किरदारों से ही नहीं बल्कि शख्सियत से भी अपनी मिट्टी की खुशबू आती है। पंकज ओटीटी को संजीवनी बूटी मानते हैं।

करियर के आरंभिक दिनों में आपने नकारे जाने का दर्द भी सहा और छोटी-छोटी भूमिकाएं भी कीं, मगर आज आप शीर्ष पर हैं, कैसा महसूस करते हैं?

मैं सफलता में अति उत्साही नहीं होता, उसी तरह असफलता मुझे हतोत्साहित नहीं करती। मुझे याद नहीं कि कोई बहुत पीड़ादायक या कॉन्फ्लिक्ट का दौर चला हो। असल में पत्नी टीचर थीं और हमारी जरूरतें सीमित थीं। सर्वाइवल का कोई संकट नहीं था। संघर्ष का यह दौर 9-10 साल चला। तब सोशल मीडिया और इंटरनेट नहीं था तो मैं ज्ञान खोजता रहता था। मैं तब साहित्य और दर्शन की किताबें पढ़ता था।

छोटी-मोटी भूमिकाओं से लेकर हीरो के समकक्ष वाले किरदारों तक आपके लिए ट्रांसफॉर्मेशन का दौर कैसा रहा?

ट्रांसफॉर्मेशन के दौर में हमारे लिए तकनीक ने बहुत बड़ा काम किया। मैं ओटीटी के शुरुआती दौर का हूं, चाहे वह मिर्जापुर हो या क्रिमिनल जस्टिस या सेक्रेड गेम्स। यह मेरे लिए संजीवनी बूटी साबित हुआ। लोगों के हाथ में मोबाइल और लैपटॉप का होना और सोशल मीडिया की लहर दौड़ना। लोग मेरा काम देखकर सोशल मीडिया पर लिखने लगे कि ये एक्टर अच्छा काम करता है। फिर मीडिया मुझे खोजने लगी। वरना मैं जिस तरह का अभिनय करता हूं, वह लोगों की समझ में नहीं आता। मैं समझ सकता हूं कि इरफान खान को कितनी समस्या होती होगी। किसी इमोशन को उतना लाउड नहीं दिखाना है।

वर्ल्ड सिनेमा की बात करें तो रेस में हम किस पायदान पर हैं?

सिनेमा की रेस में मेरे लिए पायदान अर्थ नहीं रखता क्योंकि उनका कल्चर, उनका रियलिज्म अलग है। हमारी स्टोरी टेलिंग अलग है क्योंकि हमारा समाज और संस्कृति अलग है। तुलना मत कीजिए, आर्ट की तुलना नहीं हो सकती। हमारे सिनेमा का उदय गानों के साथ हुआ क्योंकि गाने हमारे समाज में हैं। शादी हो या मुंडन, यहां तो धान रोपने में भी गाने गाए जाते हैं। समाज में गाने थे, इसलिए फिल्मों में भी आए, इसलिए यह तुलना बेमानी है। ठीक उसी तरह वैश्विक सम्मान को भी पैमाना नहीं बनाना चाहिए कि अगर हमें सम्मान नहीं मिला, तो हम अच्छा काम नहीं कर रहे।

NSD का आपके अभिनय करियर में कितना योगदान रहा?

वहां जाकर ही समझ आया कि आर्ट की दुनिया कितनी बड़ी है और जीवन के अनुभव कितने बहुमूल्य हो सकते हैं। हमें वहां अनुराधा मैम विंडो इमेज पढ़ाती थीं। वह हमेशा कहती थीं कि अपनी विंडो क्रिएट करो। हम दो-तीन मिलकर एक क्रिएट करते थे, अपने अनुभवों के आधार पर, मगर वे बार-बार उसे ठीक करवाती थीं। कहती थीं, इसमें कुछ यूनीक नहीं है। अपनी खिड़की को खोजते-खोजते हम इस बात पर आते थे कि एक आईना लटका हुआ है और उसके लटकते फ्रेम पर एक बिंदी चिपकी हुई है। वरना उससे पहले तो हम सिनेमा वाला विंडो क्रिएट करते कि एक खूबसूरत लड़की खिड़की पर आकर खड़ी हो गई है।

आपकी वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस में आप एक ईमानदार वकील बने हैं। असल जिंदगी में हमने देखा है कि कई बार न्याय प्रणाली में देरी हो जाती है या सवाल उठ खड़े होते हैं?

यह बहुत कॉम्प्लिकेटेड है क्योंकि उसके कई कारण हैं। एक तो है, हमारी जनसंख्या। अदालतों में जितने केस लंबित हैं, दूसरे केस का नंबर आने में ही वक्त लग जाता है। जांच-परख में भी समय लगता है, क्योंकि हमारी न्याय प्रणाली कहती है कि भले एक दोषी मुक्त हो जाए, मगर निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।

इन दिनों इंडस्ट्री में 8 घंटे की शिफ्ट को लेकर बहस चल रही है।

जो 8 घंटे की शिफ्ट बनी है, वह ग्लोबली है। 24 घंटों को हमने 3 भागों में डिवाइड किया है। 8 घंटे काम, 8 घंटे सोना कर 8 घंटे आपका पारिवारिक जीवन, सेल्फ केयर और सामाजिक दायित्व। पहले ऐसा होता भी था। ज्यादा काम को ओवरटाइम कहा जाता था। मगर हमारी इंडस्ट्री में 12 घंटे की शिफ्ट कंपल्सरी जैसी है और फिर ट्रेवलिंग का समय अलग से। मैंने खुद महसूस किया है कि मैं जब लगातार शूटिंग करता हूं, तो मेरी नींद पूरी नहीं होती, जिसका असर मेरे अभिनय पर पड़ता है। फिल्म सेट पर एक अभिनेता ही ऐसा होता है, जिसके पास कोई यंत्र या बटन नहीं होता कि स्विच ऑफ कर सके। सिर्फ हम अभिनेता ही इमोशनल लेबर करते हैं। अभिनेता तभी अच्छा परफॉर्म कर सकता है, जब उसे प्रॉपर आराम मिले। बात 8 या 12 घंटे की नहीं है, बात एक्टर के काम की है।

नेपाल से जहाज में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए दिल्ली आता था तस्कर

एक करोड़ के मादक पदार्थों के साथ पकड़े गए हैं आरोपी

गुरुग्राम।

मादक पदार्थों के साथ सात विदेशी नागरिकों सहित आठ आरोपियों को पुलिस ने काबू किया है। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जा से एक किलो 60 ग्राम सुल्फा, 904 ग्राम कोकीन, दो किलो 034 ग्राम कच्चा कोकीन पदार्थ, तीन इलेक्ट्रॉनिक्स स्केलस, 42 मोबाइल फोन, आठ पैकिंग पैकेट, छह बंडल सेल टेप, नाइजीरियन नागरिक पासपोर्ट, सात हजार 500 रुपयों की नगदी बरामद की गई। मंगलवार को आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

अपराध शाखा सेक्टर-43 के इंचार्ज निरीक्षक नरेंद्र कुमार की पुलिस टीम को अपने विश्वसनीय सूत्रों से पता चला कि सेक्टर-39 में अवैध मादक पदार्थों के साथ एक व्यक्ति घूम रहा है। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए उसे काबू कर लिया। आरोपी का नाम बिमल पहाड़ी है और वह नेपाल के पोखरा का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 60 ग्राम अवैध सुल्फा, 116 ग्राम अवैध कोकीन बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ सदर थाना में केस दर्ज किया गया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन का पुलिस रिमांड पर भेजा गया। पुलिस टीम द्वारा गहनता से की गई पुलिस पूछताछ में आरोपी बिमल पहाड़ी ने बताया कि वह मनाली (हिमाचल-प्रदेश) में होटल चलाता था। होटल पर काफी नुकसान होने के बाद पिछले करीब 2 साल से यह नेपाल में होटल चलाने लगा और होटल पर ही अवैध मादक पदार्थ बेचने का काम करने लगा। वह दिल्ली से नाइजीरियन व्यक्तियों से अवैध मादक पदार्थ खरीदकर लाता था। फिर नेपाल से दिल्ली हवाई जहाज से जाता था। वापस दिल्ली से मादक पदार्थ लेकर नेपाल तक बस में आता था।

बस में कोई चेकिंग नहीं होती थी। इसलिए वह आसानी से दिल्ली से नेपाल तक अवैध मादक पदार्थ लाने में कामयाब हो जाता था। आरोपी बिमल पहाड़ी दिल्ली से नेपाल छह बार अवैध मादक पदार्थ ले जा चुका था। जांच के दौरान पता चला है कि सभी विदेशी आरोपियों में से ओकेली रोमानस के अलावा किसी भी विदेशी आरोपी के पास भारत में आने व रहने संबंधी वैध दस्तावेज नहीं मिला।

पलवल में हुई पुलिस मुठभेड़ की मजिस्ट्रेट जांच शुरू

पलवल। पलवल में बीती दो फरवरी को हुए चर्चित पुलिस मुठभेड़ की जांच अब एसडीएम करेंगी। इस मुठभेड़ में दो ईनामी बदमाश मारे गए थे। मंगलवार को एसडीएम ज्योति ने आम जन को अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति या चश्मदीद गवाह इस मुठभेड़ से जुड़ी जानकारी या बयान देना चाहता है, तो वह आगामी एक सप्ताह के भीतर एसडीएम कार्यालय, पलवल में संपर्क कर अपना बयान दर्ज करा सकता है। मृतक बदमाशों की पहचान रेवाड़ी के भाखली माजरा निवासी जोरावर उर्फ हाबडिया और कुंडली निवासी नीरज उर्फ निरिया के रूप में हुई थी। यह दोनों अपराधी 19 जनवरी की रात को महेशपुर गांव के कृष्णा ढाबे पर जौहरखेड़ा के सरपंच मनोज और जैनपुर निवासी रॉकी पर फायरिंग की वारदात में वांछित थे। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। सीआईए प्रभारी दीपक गुलिया को सूचना मिली थी कि दोनों बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पलवल में मौजूद हैं। इस पर पुलिस ने 2 फरवरी की रात एक मुठभेड़ को अंजाम दिया। जिसमें तीन गोलियां सीआईए प्रभारी दीपक गुलिया, कुलदीप और नरेंद्र की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगीं, जिससे वे बाल-बाल बचे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाश मारे गए। मुठभेड़ के बाद शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अब इसकी मजिस्ट्रेट जांच की जा रही है। एसडीएम ज्योति ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस जांच का उद्देश्य मुठभेड़ की परिस्थितियों, बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग और पुलिस की जवाबी कार्रवाई की वैधता की जांच करना है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कार्रवाई के दौरान सभी कानूनी प्रक्रियाओं और मानवाधिकारों का पालन किया गया या नहीं। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति इस मामले में साक्षी या जानकारी रखता है, तो वह 7 दिन के भीतर एसडीएम कार्यालय में उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज करवा सकता है।

पलवल में डीसी ने बारिश से पहले किया जलभराव संभावित क्षेत्रों का दौरा

पलवल। दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे हरियाणा में मानसून ने दस्तक दे दी है, और इसी के साथ पलवल में जलभराव की समस्या को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। मंगलवार को उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और विशेष रूप से जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। डीसी ने अधिकारियों के साथ मिलकर पलवल-अलीगढ़ रोड का निरीक्षण किया, जहां बारिश के दौरान पानी भरने से यातायात बाधित होता है। धान मील के पास की स्थिति का जायजा लेते हुए डीसी ने निर्देश दिए कि इस क्षेत्र की पुरानी जलभराव समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। उन्होंने ड्रेनेज की नियमित सफाई और कैच पिट बनाने के आदेश दिए। साथ ही, गंदे पानी की निकासी को सीवर लाइन से जोड़ने के निर्देश भी दिए। पलवल-अलीगढ़ रोड पर लगभग 200 मीटर क्षेत्र में जलभराव से वाहन चालकों को परेशानी होती है। डीसी ने स्पष्ट किया कि इस समस्या के समाधान से आसपास के मोहन नगर, राजीव नगर, शमशाबाद, इस्लामाबाद, हरिनगर, बसंतगढ़, नगला, बैंसलात और खादर के ग्रामीण क्षेत्रों को राहत मिलेगी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि नाले कचरे से जाम पड़े हैं और पूर्व में दिए गए निर्देशों के बावजूद सफाई कार्य अधूरा है। डीसी ने इस पर नाराजगी जताते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उनका कहना था कि मानसून से पहले नालों की सफाई हो जानी चाहिए थी, लेकिन स्थिति अब भी जस की तस है। डॉ. वशिष्ठ ने राष्ट्रीय राजमार्ग -19 पर पप्पन प्लाजा, बस स्टैंड, किठवाड़ी चौक, रसूलपुर चौक और कुशलीपुर फ्लाईओवर के पास जलभराव की स्थिति का भी निरीक्षण किया। इन स्थानों पर पानी भरने से यातायात पर बुरा असर पड़ता है। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान किसी भी स्थिति में हाईवे पर ट्रैफिक प्रभावित न हो, इसके लिए ठोस योजना बनाई जाए। अब देखना यह है कि डीसी के निरीक्षण और सख्त निर्देशों का कितना असर होता है, या फिर जनता को इस बार भी जलभराव की परेशानियों से जूझना पड़ेगा। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ज्योति, जिला नगर आयुक्त मनीषा शर्मा, एनएचएआई के पीडी इंद्रेश कुमार, पीडब्ल्यूडी बीएंडआर के एक्सईएन रितेश, पब्लिक हेल्थ विभाग के जेई गजे सिंह, ट्रैफिक इंस्पेक्टर जगबीर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दिल्ली बॉर्डर पर कुख्यात गैंगस्टर रोमिल वोहरा मुठभेड़ में मरा

गुरुग्राम।

कुख्यात गैंगस्टर रोमिल वोहरा हरियाणा पुलिस की एसटीएफ टीम के साथ मुठभेड़ में मारा गया है। सोमवार देर रात हुई मुठभेड़ की मंगलवार को अंबाला एसटीएफ के डीएसपी अमन कुमार में इसकी पुष्टि की है। यह मुठभेड़ गुरुग्राम दिल्ली बॉर्डर पर हुई। मुठभेड़ में एसटीएफ के दो जवान भी घायल हुए हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बता दें कि रोमिल वोहरा पर यमुनानगर के तिहरे हत्याकांड और कुरुक्षेत्र में शांतनु हत्याकांड के आरोप हैं। पुलिस को काफी समय से उसकी तलाश थी। एसटीएफ को रोमिल वोहरा के बारे में गुप्त सूचना मिली थी कि वह हरियाणा दिल्ली बॉर्डर पर है। एसटीएफ तुरंत हरकत में आई और उसे काबू करने के लिए जाल बिछाया। रोमिल वोहरा को काबू करने के लिए जैसे ही एसटीएफ ने ऑपरेशन शुरू किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। उसने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की।

पुलिस टीम की और से भी जवाबी कार्रवाई और बचाव में गैंगस्टर पर गोली चलाई गई। पुलिस की गोलियों से रोमिल वोहरा गंभीर रूप से घायल हो गया। रोमिल की गोलियों से भी दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहां डॉक्टर्स ने रोमिल को मृत घोषित कर दिया।

कई राज्यों में वांछित था रोमिल

अपराध की दुनिया में रोमिल वोहरा का बड़ा नाम था। हरियाणा ही नहीं आसपास के राज्यों में उसने काफी अपराध किए थे। कम उम्र में ही वह अपराध की दुनिया में आ गया था। उसने 22 साल की उम्र में मात्र आठ माह में चार हत्याएं कर के पुलिस के लिए सिरदर्दी पैदा कर दी थी।

यमुनानगर में तिहरे हत्याकांड को अंजाम देने और कुरुक्षेत्र में शांतनु की हत्या में उसका हाथ बताया गया। हत्या, लूट, डकैती, फिरौती के अपराधों में वह शामिल रहा। हरियाणा पुलिस को और से उस पर दो लाख का इनाम रखा गया था।

पलवल में दहेज के लिए विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति समेत चार पर दहेज हत्या का मुकदमा

पलवल। जिले के बेढ़ा पट्टी गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका की पहचान उर्मिला के रूप में हुई है, जो तीन बच्चों की मां थी। उर्मिला के नाक और कान से खून निकल रहा था, जिससे परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताई है। मृतका के पिता नूंह निवासी वेद प्रकाश ने बताया कि उर्मिला की शादी कुछ वर्ष पूर्व बेढ़ा पट्टी गांव के प्रकाश नामक युवक से हुई थी। विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा था। वेद प्रकाश ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि तीन महीने पहले पति प्रकाश ने उर्मिला के कपड़े उतारकर उसकी बेरहमी से पिटाई की थी, जिससे उसे गंभीर चोटें आई थीं। इसके बाद वह मायके आ गई थी। मात्र एक सप्ताह पूर्व ही परिजनों ने समझाकर उसे दोबारा ससुराल भेजा था। परिजनों को उर्मिला की मौत की सूचना मिली। जब वे मौके पर पहुंचे तो उसका शव जमीन पर पड़ा मिला और नाक-कान से खून निकल रहा था। परिजन इसे सुनियोजित हत्या बता रहे हैं। जांच अधिकारी ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि मृतका के पति प्रकाश, सास चंपा देवी, देवर मुकेश और देवरानी ऊषा के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। अधिकारियों ने बताया कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी स्पष्ट पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

मेयर प्रवीण जोशी ने की मुख्यमंत्री नायब सैनी से की शिष्टाचार भेंट

फरीदाबाद। फरीदाबाद की मेयर श्रीमती प्रवीण जोशी ने मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मेयर श्रीमती प्रवीण जोशी की मुख्यमंत्री नायब सिंह से फरीदाबाद नगर निगम से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों, जनसुविधाओं के विस्तार और शहरी आधारभूत संरचना को सशक्त करने से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह से प्राप्त मार्गदर्शन और समर्थन निश्चित ही फरीदाबाद को एक स्वच्छ, स्मार्ट और सर्वसुविधायुक्त शहर के रूप में आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

बसई गांव में दीवार ढहने से दबे श्रमिक

-श्रमिकों की बचाने के लिए एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू अभियान

-घायल श्रमिकों की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकल

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के अंतर्गत बसई गांव में एक दीवार ढहने से दो मजदूर दब गए। मजदूरों को निकलने के लिए एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया। दोनों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार बसई गांव में सोमवार की रात एक दीवार के सहारे में श्रमिक आराम कर रहे थे। अचानक दीवार उन पर आ गिरी। जब तक कोई कुछ समझ पता, दोनों दीवार के मलने में दब गए। लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस और बचाव दस्ता मौके पर पहुंचे और सावधानी से बचाव का काम शुरू किया। एक श्रमिक को तो जल्दी ही बाहर निकाल लिया गया, लेकिन सुरेंद्र सिंह नामक श्रमिक को निकलने में कठिनाई आ रही थी। कड़े प्रयासों के बाद उसे निकलने में करीब दो घंटे का समय लगा। जानकारी के अनुसार जहां हादसा हुआ।

इजराइल का ईरान की मिसाइल फैक्ट्री पर हमला: 2000 किलोमीटर दूर बम गिराए

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान संघर्ष को 10 दिन हो चुके हैं। इजराइली एयरफोर्स ने रविवार देर रात ईरान के शाहरुद में बैलिस्टिक मिसाइल का इंजन बनाने वाली फैक्ट्री पर बमबारी की। यह जगह इजराइल से करीब 2000 किलोमीटर दूर है। इस हमले में इंजन बनाने वाली कई मशीनें और जरूरी इक्विपमेंट तबाह हो गए। इसके अलावा इजराइल ने तेहरान, केरमानशाह और हमादान में भी एयर स्ट्राइक की।

दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए? मेक ईरान ग्रेट अगेन। अमेरिका ने कल ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला करके जंग में एंट्री की। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान थे। इस ऑपरेशन में 7 बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बंकर बस्टर बम गिराए।

इजराइल ने ईरान के 6 एयरपोर्ट पर हमला किया : इजराइली सेना ने ईरान के छह एयरपोर्ट को निशाना बनाया है। इजराइली सेना ने बयान जारी कर बताया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए ईरान के 15 सैन्य विमान और हेलिकॉप्टर नष्ट कर दिए हैं।

ईरान ने इजराइल का हर्मीस ड्रोन मार गिराया गया : ईरान ने अपने पश्चिमी इलाके में इजराइल के एक हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है। इजराइली सेना ने भी इसकी पुष्टि की है। एक बयान जारी कर आईडीएफ ने बताया कि आज सुबह ईरान के पश्चिमी इलाके खुर्रमाबाद में एक ड्रोन मारा गया है।

ईरान बोला- अमेरिका ने गुनाह किया, जवाब मिलेगा : ईरान ने अपने न्यूक्लियर ठिकानों पर हवाई हमलों के लिए अमेरिका को जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल अमीर हातामी ने कहा है कि हर बार जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपराध किया है, उसे मुंहतोड़ जवाब मिला है और इस बार भी वही होगा।

इजराइल ने ईरान के करमानशाह में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए इजराइली सेना ने बताया कि उसके लड़ाकू विमानों ने ईरान के करमानशाह प्रांत में सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम इस समय करमानशाह क्षेत्र में ईरानी सैन्य ढांचे पर हमले कर रहे हैं।

बातचीत करने की जरूरत: अल्बानीज : ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अमेरिका के ईरानी परमाणु स्थलों पर हवाई हमले किए जाने के बाद क्षेत्र में किसी भी तरह की वृद्धि को रोकने के लिए बातचीत और कूटनीति का आह्वान किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने ईरान से बातचीत के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत की मेज पर नहीं आया, क्योंकि वह बार-बार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है। दुनिया लंबे समय से इस बात पर सहमत है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। और हम इसे रोकने के लिए कार्रवाई का समर्थन करते हैं। यही तो है। अमेरिकी कार्रवाई ईरान के परमाणु कार्यक्रम के लिए केंद्रीय विशिष्ट स्थलों पर निर्देशित थी। हम वृद्धि और पूर्ण पैमाने पर युद्ध नहीं चाहते हैं। हम बातचीत और कूटनीति का आह्वान करना जारी रखते हैं। जैसा कि मैंने कई दिनों से कहा है, हम क्षेत्र में किसी भी तरह की वृद्धि को लेकर बहुत चिंतित हैं और हम कूटनीति, संवाद और तनाव में कमी देखना चाहते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने आने वाली चुनौती के बारे में स्पष्ट रहे हैं, जो किसी भी ईरानी परमाणु हथियार कार्यक्रम से उत्पन्न खतरे से निपट रहा है और क्षेत्रीय वृद्धि के जोखिम से निपट रहा है, और इसीलिए ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से बातचीत की मेज पर आने और किसी भी परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने का आह्वान किया। ईरान बातचीत की मेज पर नहीं आया क्योंकि वह बार-बार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है। हम ईरान से आग्रह करते हैं कि वह आगे कोई ऐसी कार्रवाई न करे जिससे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से ईरान से इस्राइल को खत्म करने, परमाणु हथियार रखने के अपने प्रयास को रोकने, अमेरिकी नागरिकों और हितों को निशाना बनाना बंद करने और सद्भावना से शांति वार्ता करने का आग्रह करने का आह्वान किया है।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने खाई कसम, कहा- दुश्मन इजरायल को दंडित किया जाएगा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हमलों को एक बड़ा अपराध बताया और कसम खाई कि इजरायल को दी जा रही सजा जारी रहेगी। हालिया हमलों के बाद खामेनेई ने जवाबी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, सजा जारी है। यहूदी दुश्मन ने बहुत बड़ी गलती की है, एक बड़ा जुर्म किया है। उसे सजा मिलनी चाहिए और मिल रही है। अभी इस वक्त ही सजा दी जा रही है। लगभग 10 दिन से इजरायल और ईरान युद्ध के मैदान में हैं। 13 जून को ईरान में परमाणु और सैन्य स्थलों समेत कई ठिकानों पर इजरायली हमले हुए, जिनमें कई वरिष्ठ कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शनिवार तक ईरान में 400 से अधिक लोग मारे गए और 3500 से अधिक घायल हुए। उस समय ईरान ने इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन हमलों से जवाबी कार्रवाई भी की। इजरायल में अधिकारियों ने 24 लोगों की मौत की सूचना दी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए के अनुसार, रविवार देर रात एस्फाहान प्रांत में इजरायल के ड्रोन हमले में एक एम्बुलेंस को निशाना बनाया गया, जिसमें तीन लोग मारे गए। नजाफाबाद काउंटी के गवर्नर हमीदरेजा मोहम्मदी फेशारकी ने बताया कि ये एम्बुलेंस एक मरीज को लेकर जा रही थी। हमले में ड्राइवर, मरीज और उसके साथ मौजूद व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, रविवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा कि इजरायल अपने अभियान को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान और गाजा दोनों में पूरी ताकत से इजरायल अपना काम करना जारी रखेगा। नेतन्याहू ने कहा, हम अपने लक्ष्य हासिल करने से पहले इस ऐतिहासिक अभियान को नहीं रोकेंगे। इधर, अमेरिका की एंट्री से मिडिल ईस्ट में बड़ी तेजी से हालात बदल रहे हैं। रविवार (भारतीय समयानुसार) को अमेरिका ने ईरान पर के खिलाफ ऑपरेशन मिडनाइट हैमर चलाया। इसमें बी2 स्टील्थ बॉम्बर के जरिए अमेरिका ने ईरान के कुछ इलाकों में बम बरसाए। एस्फाहान, फोर्डो और नतांज के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों को निशाना बनाया गया।

कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार देने के लिए तैयार, रूस का बड़ा बयान

मास्को, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री ने रविवार को बताया कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए रूस का दौरा करेंगे। दोनों नेताओं की मुलाकात सोमवार को हो सकती है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि रूस, ईरान का दोस्त है। हम हमेशा एक दूसरे से सलाह मशविरा करते हैं। मैं मॉस्को जा रहा हूं और कल सुबह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गंभीर मुद्दे पर चर्चा होगी। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पुतिन के खास दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक और युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया। मेदवेदव ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ट्रंप शांतिदूत बनकर आए थे, लेकिन उन्होंने अमेरिका को एक नए युद्ध में झोंक दिया है। मेदवेदेव ने ये भी लिखा कि कई देश हैं, जो अपने परमाणु हथियार ईरान को देने के लिए तैयार हैं। हालांकि मेदवेदेव ने उन देशों का नाम नहीं लिया। पूर्व रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि इस्राइली जनता लगातार हमले के डर में जी रही है और इस्राइल में जगह-जगह बम धमाके हो रहे हैं।

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के घर पर भीड़ का हमला, पिटाई के साथ बेइज्जत भी किया गया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भीड़ द्वारा पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को पीटने का मामला सामने आया है। रविवार को लोगों की भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नुरुल हुदा के ढाका स्थित आवास पर हमला किया। यह हमला ऐसे वक्त किया गया, जब पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने नुरुल हुदा के खिलाफ चुनाव में धांधली के आरोप में शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद ही भीड़ ने नुरुल हुदा के घर पर हमला किया। ढाका के उत्तरा पश्चिम पुलिस स्टेशन के प्रमुख हफीजुर रहमान ने बताया कि सूचना के बाद हम मौके पर पहुंचे तो भीड़ ने हुदा को घेरा हुआ था।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को भीड़ ने पीटा, गालियां दीं : पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक भीड़ ने हुदा के ढाका के उत्तरा इलाके में स्थित घर पर धावा बोला और उन्हें खींचकर बाहर ले आई। इस दौरान भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को पीटा। सोशल मीडिया पर साझा किए गए पोस्ट में दिख रहा है कि भीड़ ने नुरुल हुदा को पहले जूतों से पीटा और उसके बाद उनके गले में जूतों की माला पहनाई गई। नुरुल हुदा पर अंडे मारे गए और गंदी-गंदी गालियां दी गईं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नुरुल हुदा को हिरासत में लिया। ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मोहीदुल इस्लाम ने बताया कि हुदा को बीएनपी द्वारा दर्ज शिकायत के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया।

बीएनपी ने दर्ज कराया मुकदमा : बीएनपी ने नुरुल हुदा समेत 19 लोगों के खिलाफ चुनाव में धांधली करने की शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों में पूर्व पीएम शेख हसीना का नाम भी शामिल है। हुदा को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हुदा के नेतृत्व में ही बांग्लादेश में साल 2014, 2018 और 2024 के आम चुनाव कराए गए। बीएनपी का आरोप है कि इन चुनाव में लोगों के जनादेश के बगैर शेख हसीना को जीत मिली। हुदा पर हमले को लेकर सोशल मीडिया पर काफी कुछ लिखा जा रहा है। जिसे लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने बयान जारी कर लोगों से कानून हाथ में न लेने की अपील की। यूनुस ने कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात भी कही। बीते साल शेख हसीना सरकार के सत्ता से अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसके मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस बने। शेख हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से जाने के बाद से ही उनके नेताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है।

पेज एक का शेष...

आपातकाल लागू करना लोकतंत्र....

हो या न हो - मौलिक अधिकार स्थगित नहीं किए जा सकते। हर नागरिक के पास न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए अपने अधिकारों को प्राप्त करने का अधिकार है। दुर्भाग्यवश, सर्वोच्च न्यायालय - देश की सर्वोच्च अदालत - धूमिल हो गई। उसने नौ उच्च न्यायालयों के निर्णयों को पलट दिया। उसने दो बातें तय की - आपातकाल की घोषणा कार्यपालिका का निर्णय है, यह न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं है। और यह भी कि आपातकाल की अवधि भी कार्यपालिका ही तय करेगी। साथ ही, नागरिकों के पास आपातकाल के दौरान कोई मौलिक अधिकार नहीं होंगे। यह जनता के लिए एक बड़ा झटका था।"

'संविधान हत्या दिवस' के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि, "युवाओं को इस पर चिंतन करना चाहिए क्योंकि जब तक वे इसके बारे में जानेंगे नहीं, समझेंगे नहीं। क्या हुआ था प्रेस के साथ? किन लोगों को जेल में डाला गया? वे बाद में इस देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बने। यही कारण है कि युवाओं को जागरूक बनाना जरूरी है। आप लोकतंत्र और शासन व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण भागीदार हैं। आप इस बात को भूल नहीं सकते और न ही इस अंधकारमय कालखंड से अनभिज्ञ रह सकते हैं। बहुत सोच-समझकर, आज की सरकार ने तय किया कि इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। यह एक ऐसा उत्सव होगा जो सुनिश्चित करेगा कि ऐसा फिर कभी न हो। यह उन दोषियों की पहचान का भी अवसर होगा जिन्होंने मानवीय अधिकारों, संविधान की आत्मा और भाव को कुचला। वे कौन थे? उन्होंने ऐसा क्यों किया? और सर्वोच्च न्यायालय में भी, मेरे मित्र सहमत होंगे, एक न्यायाधीश - एच.आर. खन्ना - ने असहमति जताई थी और अमेरिका के एक प्रमुख समाचार पत्र ने टिप्पणी की थी कि जब भारत में फिर से लोकतंत्र लौटेगा, तो एच.आर. खन्ना के लिए अवश्य एक स्मारक बनेगा जिन्होंने अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया।"

परिसर आधारित शिक्षा की भूमिका पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा कि, "शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्रियाँ या प्रमाणपत्र प्राप्त करने के स्थान नहीं हैं। अन्यथा वर्चुअल लर्निंग और परिसर आधारित लर्निंग में अंतर क्यों होता? आप जानते हैं, आपके साथियों के साथ बिताया गया समय आपके सोचने के तरीके को परिभाषित करता है। ये स्थान वह परिवर्तन उत्पन्न करने के लिए हैं जिसकी आवश्यकता है, जो परिवर्तन आप चाहते हैं, जो राष्ट्र आप चाहते हैं। ये विचार और नवाचार के स्वाभाविक जैविक स्थल हैं। विचार आते हैं, लेकिन विचारों पर विचार होना भी जरूरी है।

लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान....

का प्रयास किया गया था। और यह सब एक व्यक्ति की हठधर्मिता और तानाशाही रवैए का परिणाम था।मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी को चुनावी भ्रष्टाचार का दोषी ठहराते हुए उनकी लोकसभा सदस्यता को निरस्त कर दिया गया था। सत्ता छिन जाने के भय से 25 जून की रात को भारत जैसे महान लोकतांत्रिक देश में आपातकाल की घोषणा करवा दी गई। भारतीय संसद का गला घोंट दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को बंधक बना लिया गया और न्यायपालिका की गरिमा तार-तार कर लाखों देशवासियों के मौलिक अधिकारों को रौंद दिया गया। आपातकाल के उन काले दिनों में सत्ता के नशे में चूर तत्कालीन सरकार ने सभी विपक्षी नेताओं, सैंकड़ों पत्रकारों सहित हर उस आवाज का निर्ममता से दमन किया जो लोकतंत्र की रक्षा के लिए उठ रही थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल कर पूरे देश को एक खुली जेल बना दिया गया था।

प्रशासन का लक्ष्य, हर घर तक....

अजबपुर कलां एवं मोथरोवाला में पानी की समस्या पर अधिशासी अभियंता ने बताया कि गेल कंपनी के निर्माण कार्यों के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिस कारण एनएचबी कॉलोनी और बैंक कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति बाधित रही। क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन की मरम्मत कराते हुए पेयजल सप्लाई सुचारू कर दी गई है। लो प्रेशर के कारण कुछ घरों में कम पानी पहुंचने पर टैंकर के माध्यम से आपूर्ति कराई जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर को याद कर पीएम मोदी बोले- सिर्फ 22 मिनट में सेना ने दुश्मन को घुटने पर ला दिए

श्रीनारायण गुरु को नमन और गांधी को अपनी श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में श्रीनारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत की शताब्दी समारोह बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं श्रीनारायण गुरु को नमन करता हूं और गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि हम एक ऐतिहासिक घटना को याद कर रहे हैं, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी, बल्कि एक स्वतंत्र भारत के सपने को भी गति दी। उन्होंने कहा कि 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच हुई मुलाकात आज भी बहुत प्रेरणादायक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के फंस जाता है, तब कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है। श्रीनारायण गुरु इसतरह के महान संत थे।

पीएम मोदी ने कहा, श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी है। पीएम मोदी ने कहा, श्री नारायण गुरु ने एक इसतरह के समाज की परिकल्पना की थी, जो भेदभाव से मुक्त हो। मुझे संतोष है कि आज देश सैचुरेशन अप्रोच पर चलते हुए भेदभाव की हर गुंजाइश को खत्म कर रहा है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शिवगिरी मठ और पूज्य संतों से जुड़े लोग जानते हैं कि मैं श्रीनारायण गुरु और शिवगिरी मठ के प्रति कितना समर्पित हूं। मैं खुद को सच में सौभाग्यशाली मानता हूं कि शिवगिरी मठ हमेशा मेरे साथ खड़ा रहा है। ये बहुत बड़ी कृपा है कि मठ के संतों ने हमेशा मुझ पर प्यार और स्नेह बरसाया है।

इस दौरान उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि भारत में निर्मित हथियारों ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान अपनी ताकत दिखाई। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने दिखाया है कि भारतीयों का खून बह... वाले आतंकवादियों के लिए कोई भी ठिकाना सुर... नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 11 वर्षों में उन... सरकार ने सामाजिक, आर्थिक और रक्षा क्षेत्रों में भा... को मजबूत बनाने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा... अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे देशों... भारत की निर्भरता कम हो रही है और यह रक्षा क्षेत्र... आत्मनिर्भर बन रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकी ठिकानों पर किए... सटीक हमलों के संदर्भ में कहा कि सेना ने 22 मिनट... भारत में निर्मित हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने... मजबूर किया था। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है... भविष्य में भारत में निर्मित हथियारों को दुनिया भर... सराहा जाएगा।

गृहमंत्री शाह की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की बैठक,

घुसपैठ और विकास रहा प्रमुख एजेंडा

-चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत 120 अधिकारियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली/अहमदाबाद (एजेंसी)। वाराणसी,(ईएमएस)। काशी में सोमवार शाम से शुरू हुई 25वीं सेंट्रल जोनल कार्उसिल (केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद) की बैठक में गृहमंत्री अमित शाह ने चार राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों और करीब 120 अधिकारियों के साथ मिलकर सुरक्षा और विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर मंथन किया। यह बैठक वाराणसी के होटल ताज में आयोजित की गई।

परिषद की इस बैठक में देश की सीमा पर होने वाली घुसपैठ, आतंकवाद, महिला अपराध, सीमा विवाद, सड़क और परिवहन, पर्यावरण, धार्मिक पर्यटन और नदियों को जोड़ने जैसे विषय प्रमुख रूप से चर्चा में रहे। इसमें बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों की अवैध मौजूदगी और भारत-नेपाल सीमा से होने वाली घुसपैठ को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया।

क्षेत्रीय मुद्दों पर केंद्र और राज्यों के समन्वय की जरूरत

बैठक के दौरान उन मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया जिनका समाधान केंद्र और राज्यों के साझा प्रयासों से ही संभव हो सकते हैं। जैसे कि अंतर्राज्यीय सीमा विवाद, खनन नीतियां, जल संसाधन और कृषि सुधार। पॉक्सो एक्ट के मामलों, महिला और बाल सुरक्षा, तथा नक्सल प्रभावित इलाकों की चुनौतियों पर भी वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तुतियां दीं।

धार्मिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया

बैठक से पहले मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पंचामृत अभिषेक किया और संकट मोचन मंदिर में हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। यहां बताते चलें कि गृहमंत्री अमित शाह सोमवार शाम करीब 5-40 बजे काशी पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री योगी ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया था। इसके बाद दोनों नेता काल भैरव मंदिर पहुंचे। दर्शन के दौरान एक पुजारी ने अमित शाह की दंड से नजर उतारी, जिसे देखकर सीएम योगी मुस्कुरा पड़े और हल्के-फुल्के अंदाज में पुजारी को इशारा कर रोक दिया।

सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

इससे पहले होटल ताज तक शाह के काफिले के रूट पर तीव्र सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई थी। होटल में चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों जिनमें मध्य प्रदेश के डॉ मोहन यादव, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय और उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ ने गृहमंत्री शाह के साथ डिनर में भाग लिया।

सूत्रों का कहना है कि इस बैठक और शाह के दौरे का उद्देश्य न केवल प्रशासनिक समन्वय को मजबूत करना है, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव के जरिए जनता के साथ विश्वास का सेतु भी निर्मित करना है। काशी में हुई यह उच्च स्तरीय बैठक न केवल क्षेत्रीय समन्वय को नया आयाम देती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास, और सांस्कृतिक महत्व को एक मंच पर लाकर राज्य-केंद्र संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक पहल भी है।

देश में बारिश से बाढ़ जैसे हालात...

*** सूरत में स्कूल बंद, यूपी में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूटा; यमुनोत्री-बद्रीनाथ में लैंडस्लाइड**

*** शिवपुरी-श्योपुर में बाढ़ जैसे हालात**

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। देश में मानसून पूरी तरह छा गया है। गुजरात में पिछले 2 दिन से तेज बारिश हो रही है। सूरत में 24 घंटे में 10 इंच बारिश दर्ज की गई है। शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। अधिकतर सड़कों पर पानी भर गया है। शहर के स्कूल भी बंद कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश में जून में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। 1971 से 2020 के बीच हुई औसत बारिश के मुकाबले इस साल 25 प्रतिशत ज्यादा बरसात हुई है। मप्र में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। 20 जिलों में बारिश हो रही है। शिवपुरी और श्योपुर में बाढ़ जैसे हालात है।

मप्र के ऊपर से ट्रफ गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मंगलवार को रतलाम और भोपाल में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। शिवपुरी में बारिश से पवा जलप्रपात बह निकला है। यहां लगभग 100 फीट की ऊंचाई से पानी गिर रहा है। भदैया कुंड में भी झरना पूरी रफ्तार से बह रहा है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने लोगों की सुरक्षा को देखते हुए जिले के सभी जलस्रोतों पर प्रवेश रोक दिया है।

श्योपुर में भारी बारिश के चलते मंगलवा... को सीप नदी उफान पर आ गई। मानपु... और ढोढर के बीच की पुलिया पर पानी आ... गया है। पुलिस ने यहां आवागमन पूरी तर... से बंद करा दिया है। काशीपुर, बालापुरा... हीरापुर, अल्लापुर समेत आसपास के क... गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टू... गया है।

बद्रीनाथ में लैंड स्लाइड, 3 की मौत

उत्तराखंड में मानसून के पहुंचने के... साथ ही प्राकृतिक आपदाओं का दौर भी... शुरू हो गया है। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ... कैंची बैंड के पास भूस्खलन हुआ, इसमें... करीब आधा दर्जन यात्री दब गए। मलबे... से 2 शव बरामद किए गए हैं। राहत और... बचाव का काम जारी है। बद्रीनाथ से लौ... रहे हरियाणा के श्रद्धालु की कार पर पहाड़ी... से एक बड़ा पत्थर गिर जाने से महिला... यात्री की मौके पर ही मौत हो गई... केदारनाथ पैदल मार्ग पर बरसाती नाले में... उफान से भारी मात्रा में मलबा दुकानों में... घुस गया। लगभग आधा दर्जन दुकानों को... नुकसान हुआ है।

वापी-नाडियाद में बाढ़ जैसे हालात

गुजरात के दक्षिण गुजरात में पिछले... दो दिनों से जमकर बारिश हो रही है... सोमवार को सूरत जिले में पिछले 24 घं... में 10 इंच बारिश दर्ज की गई। सूरत शह... में भी सोमवार सुबह 8 बजे से 12 बजे... तक 7 इंच बारिश हुई। इससे सूरत में क... जगह बाढ़ का हालात बन गए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ चीन में एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति पर जोर देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार 25 जून को चीन के किंगदाओ शहर में शुरू हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दो दिवसीय सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस सम्मेलन में वे आतंकवाद और उग्रवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देंगे। सम्मेलन का आयोजन चीन के पूर्वी शांदोंग प्रांत के प्रमुख बंदरगाह शहर किंगदाओ में किया जा रहा है, जहां क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी उपायों और रक्षा साझेदारी को लेकर गहन विचार-विमर्श किए जाने की संभावना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस बहुपक्षीय मंच का उपयोग कर आतंकवाद के खिलाफ एक सशक्त और समन्वित वैश्विक नीति की आवश्यकता पर भारत की स्पष्ट भूमिका रख सकते हैं। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है, कि सिंह सम्मेलन में यह भी स्पष्ट करेंगे कि आतंकवाद किसी भी देश के विकास और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है, और इससे निपटने के लिए सभी देशों को पारदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ कार्य करना होगा। इस सम्मेलन में पाकिस्तान, चीन, रूस, और मध्य एशियाई देशों सहित एससीओ के सभी सदस्य देशों के रक्षा मंत्री शामिल होंगे। भारत, जो 2017 में एससीओ का पूर्ण सदस्य बना, लगातार इस मंच पर आतंकवाद और सीमा-पार से हो रही घुसपैठ जैसे विषयों को मजबूती से उठाता आया है।

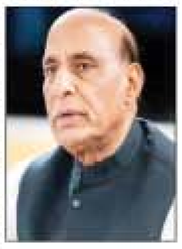

राहुल ने फिर उठाया चुनाव में धांधली का मसला, चुनाव आयोग बोला

कोई मुद्दा है तो हम मिलने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2024 के महाराष्ट्र चुनावों में धांधली के उनके आरोपों पर औपचारिक रूप से पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि सभी चुनाव संसद की ओर से पारित कानूनों और नियमों के अनुसार सख्ती से कराए जाते हैं। चुनाव आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरे चुनाव अभ्यास में हजारों लोगों को शामिल किया जाता है, जिसमें राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट भी शामिल हैं।

एक प्रमुख दैनिक में उनके लेख के जवाब में 12 जून को राहुल गांधी को ईमेल किए गए एक पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से आयोजित की जाती है। इसमें आयोग की ओर से नियुक्त 1,00,186 से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), 288 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस

पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 रिटर्निंग अधिकारी (आरओएस) शामिल होते हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में कांग्रेस के 28,421 सहित राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों की ओर से 1,08,026 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए गए हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता से कहा गया, हमारा मानना है कि चुनाव संचालन से संबंधित कोई भी मुद्दा कांग्रेस उम्मीदवारों की ओर से सक्षम न्यायालय (उच्च न्यायालय) में दायर चुनाव याचिकाओं के माध्यम से पहले ही उठाया जा चुका होगा। चुनाव प्राधिकरण ने कहा, यदि आपके पास अभी भी कोई मुद्दा है, तो आप हमें लिख सकते हैं और आयोग सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और समय पर आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए भी तैयार है।

राहुल ने फिर उठाया चुनावों में अनियमितताओं का मुद्दा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कथित अनियमितताओं का दावा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि कुछ गड़बड़ियां नहीं थीं, बल्कि वोटों की चोरी थी। उन्होंने मशीन-पठनीय डिजिटल मतदाता सूची के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज को तुरंत जारी करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ छह महीनों में नागपुर दक्षिण पश्चिम भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की सीट पर 29,219 नए मतदाता जुड़े।

लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट में 11 हुए बीमार, मचा हड़कंप, उधर जयपुर में रद्द करना पड़ी उड़ान

मुंबई (एजेंसी)। लगता है कि एविएशन कंपनियों की ग्रहदशा ठीक नहीं चल रही है। आए दिन कुछ न कुछ चुनौतिया आ रही हैं। यात्री भी डरे हुए और कई लोगों ने हवाई सफर को होल्ड कर दिया है। लंदन से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट मे अचानक 5 यात्री और 2 चालक दल के सदस्य समेत 11 लोग बीमार पड़ गए, जिससे विमान के अंदर हड़कंप मच गया। सभी ने चक्कर आने और मतली की शिकायत की। यह घटना सोमवार को तब सामने आई जब विमान के विभिन्न चरणों में यात्रियो और क्रू मेंबरों ने चक्कर आने और मतली की शिकायत की। एयर इंडिया ने बताया कि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और सभी बीमार यात्रियों को मेडिकल जांच के लिए तुरंत मेडिकल रूम में ले जाया गया। बाद में उनका स्वास्थ्य ठीक पाया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई। कंपनी ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित विमानन सुरक्षा नियामक अधिकारियों को भी सूचित कर दिया है एयर इंडिया के बयान के अनुसार, यह समस्या फ्लाइट नंबर एआई 130 में सामने आई, जो लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से मुंबई के लिए उड़ान भर रही थी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आर्फसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादक: विभोर त्रिखा-09927012330